■ श्रावण शुक्ल - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 18 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 09-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मनु भाकर भारत में करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेंगी : मांडविया

6 बांग्लादेश के हिन्दुओं को कौन पूछेगा?

7 राजकुमार राव के साथ स्क्रीन साझा करेंगी मानुषी छिल्लर

फर्स्ट टेक

केदारनाथ धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा फिर शुरू

रुद्रप्रयाग/भाषा। केदारनाथ धाम के लिए हेलीकॉप्टर के जरिए यात्रा बृहस्पतिवार से फिर शुरू हो गई जबकि मंदिर को जाने वाले क्षतिग्रस्त पैदल और सड़क मार्ग को ठीक करने का काम जोर-शोर से चल रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने यहां बताया कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सुबह मौसम साफ होने के साथ ही हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गयी और श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। दूसरी ओर, धाम में रुके 33 यात्रियों को एमआई 17 एवं अन्य हेलीकॉप्टरों से शेरसी और चारधाम हेलीपैड पहुंचाया गया ।

इजरायल ने हिजबुल्लाह को दी चेतावनी दी

यरूशलम/एजेन्सी। इजरायल ने अमेरिका से कहा है कि हिजबुल्लाह (लेबनान का एक शिया राजनीतिक और अर्द्धसैनिक संगठन) अगर अपने शीर्ष कमांडर फुआद शुक्र की हत्या के प्रतिशोध के तहत इजरायली नागरिकों को नुकसान पहुंचाता है तो उसे इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। एक्सियोस समाचार पोर्टल ने गुरुवार को दो इजराइली अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी देते हुए बताया कि इजरायल ने हाल ही में अमेरिका से कहा है कि अगर हिज़्बुल्लाह मध्य इजरायल में सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश करेगा तो वह आबादी वाले इलाकों पर भी हमला कर सकता है। इजरायली अधिकारियों ने हिज्बुल्लह द्वारा गलत मिसाइल हमलों की ओर इशारा किया है। समाचार पोर्टल ने एक इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा, अमेरिका के साथ आंतरिक चर्चाओं में, इजरायल ने इस बात पर जोर दिया कि हिजबुल्लाह की एक और गलती उस पर भारी पड़ सकती है और अगर हिजबुल्लाह ने अपने प्रतिशोध के तहत नागरिकों के ठिकानों पर हमला किया या फिर नुकसान पहुंचाया तो उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

जापान के दक्षिणी क्षेत्र में भूकंप के तगड़े झटके

टोक्यो/एपी। जापान के दक्षिणी तट पर बृहस्पतिवार को भूकंप के तगड़े झटके महसूस किये गये जिससे तीन लोग घायल हो गये। भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया गया। भूकंप से हालांकि गंभीर नुकसान की कोई खबर नहीं है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.1 मापी गई। एजेंसी ने बताया कि इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर लगभग 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था।

सूर्यास्त 09-08-2024 6:32 बजे	सूर्योदय 10-08-2024 5:55 बजे
BSE 78,886.22 (-581.79)	NSE 24,117.00 (-180.50)
सोना 7,112 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 89,000 रु. प्रति किलो

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 लोकसभा में पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। लोकसभा में गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 विपक्ष के भारी विरोध के बाद इसे विस्तृत समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश करने की अनुमति का प्रस्ताव रखा। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने इस विधेयक को संविधान के विभिन्न प्रावधानों के विरुद्ध और मुसलमानों के धार्मिक मामलों में दखल देने का प्रयास मानते हुए इसका पुरजोर विरोध किया।

विपक्ष ने अध्यक्ष ओम बिरला से नियम 72 के तहत विधेयक को पेश करने से पहले बहस कराने की मांग की जिसे अध्यक्ष ने स्वीकार किया। पक्ष और विपक्ष के तमाम सदस्यों की राय सुनने के बाद रिजिजू ने कहा कि इसको लेकर विपक्ष के सदस्य जो विरोध कर रहे हैं वह राजनीतिक दबाव में हो रहा है लेकिन सच यह है कि यह विधेयक सबके हित में है और इससे वक्फ संपत्ति में गरीब मुसलमानों का हित साधा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि 90 हजार से ज्यादा मामले वक्फ बोर्ड में लम्बित हैं और इन सब विषमताओं को देखते हुए और लोगों को न्याय देने के लिए यह विधेयक लाया गया है। नये विधेयक में छह माह में मामले के निस्तारण का समय तय किया गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक में किए प्रावधान से संविधान के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है और इसमें किसी का हक नहीं छीना जा रहा है। इसमें जिनको सदियों से हक नहीं दिया गया है उन्हें हक दिया गया है। विधेयक में वक्फ बोर्ड के लिए महिलाओं की सदस्यता को अनिवार्य किया गया है और इसमें हर मुस्लिम वर्ग की महिलाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पहली बार यह विधेयक नहीं लाई है। सरकार 1995 में जो वक्फ विधेयक लेकर आई थी वह कानून अपने मकसद में सफल नहीं रहा है। विधेयक जिस उद्देश्य के लिए लाया गया था उसमें पूरी तरह से विफल रहा है।

उन्होंने कहा कि नया बिल बहुत विचार कर लाया गया है और इस बिल का सभी को समर्थन करना चाहिए क्योंकि करोड़ों लोगों को इंसाफ नहीं मिल रहा है। इस बिल का विरोध करने से पहले करोड़ों गरीब मुसलमानों के बारे में सोचिए तब इसका विरोध कीजिए। इस मुद्दे पर कई कमेटियां बनी थी इसको लेकर वक्फ इक्वरी रिपोर्ट पेश की गई थी। सारी वक्फ संपत्ति को व्यवस्थित करने की जरूरत है। इसके लिए एक न्यायाधिकरण हो तथा आडिट और एकाउँट की व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वक्फ पर दो कमेटी कांग्रेस के समय में बनी थी। सच्चर समिति ने कहा कि जितना वक्फ बोर्ड की संपत्ति है इससे बहुत कम पैसा आ रहा है यह गलत है और अगर सही तरीके से इस संपत्ति का संचालन ठीक हो तो 12 हजार करोड सालाना मिल सकता है। सच्चर कमेटी ने कहा कि वक्फ बोर्ड में विशेषजों को लाने की जरूरत है और उसके पैसे का राजस्व का रिकार्ड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नये कानून में पूरी तकनीकी का इस्तेमाल कर विधेयक को लाया गया है और वक्फ संपत्ति सबकी संपत्ति बने और उसका दुरुपयोग नहीं हो इसका पूरा ध्यान रखते हुए विधेयक लाया गया है।

वक्फ संशोधन विधेयक से मुस्लिम महिलाओं और बच्चों को न्याय मिलेगा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने वक्फ संशोधन विधेयक से जुड़े विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि इस विधेयक के माध्यम से किसी समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह विधेयक मुस्लिम महिलाओं, बच्चों और उस समुदाय के पिछड़े लोगों को न्याय दिलाने तथा वक्फ संस्थाओं को दक्ष बनाने, न्यायाधिकरणों में लंबित मामलों को खत्म करने, वक्फ संपत्तियों से आय बढ़ाने तथा खामियों को दूर करने के लिए लाया गया है तथा इसे धर्म के नजरिये से नहीं देखना चाहिए।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर विपक्षी सदस्यों के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''वक्फ संशोधन पहली बार सदन में पेश नहीं किया गया है। आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में यह विधेयक लाया गया। इसके बाद कई संशोधन किए गए।''

रीजीजू ने कहा कि व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के बाद यह संशोधन विधेयक लाया गया है जिससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा।

विपक्ष ने संविधान और मुस्लिम विरोधी बताया, जेपीसी करेगी विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक बृहस्पतिवार को लोकसभा में पेश किया जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का फैसला हुआ।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, ''मैं सभी दलों के नेताओं से बात करके इस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करूंगा।''

विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया और कहा कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख घटक दलों जनता दल (यूनाइटेड), तेलुगू देसम पार्टी (तेदेपा) और शिवसेना ने विधेयक का समर्थन किया, हालांकि, तेदेपा ने इसे संसदीय समिति के पास भेजने की पैरवी की।

विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विधेयक में किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ''वक्फ संशोधन पहली बार सदन में पेश नहीं किया गया है। आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में यह विधेयक लाया गया। इसके बाद कई संशोधन किए गए।''

रीजीजू ने कहा कि व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के बाद यह संशोधन विधेयक लाया गया है जिससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय बनी सच्चर समिति और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का उल्लेख किया और कहा कि इनकी सिफारिशों के आधार पर यह विधेयक लाया गया।

विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ है।

भारतीय हॉकी टीम ने भारत को दिलाया चौथा कांस्य पदक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एजेन्सी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में गुरुवार को कांस्य पदक मुकाबले स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है।

गुरुवार को यहां यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पहला क्वार्टर में गोल रहित रहा। हांलाकि इस दौरान भारत ने नौ बार आक्रामक तरीके से सर्कल में प्रवेश किया लेकिन स्पेनिश गोलपोस्ट में गोल करने में सफल नहीं हुये।

उसके बाद स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक शुरुआत करते हुए केवल तीन मिनट बाद मिले पेनल्टी स्ट्रोक को मार्क मिरालेस ने 18वें मिनट में गोलकीपर पीआर श्रीजेश को चकमा देते हुए शीर्ष-दाएं कोने से गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में भारतीय कप्तान हरमनप्रीति ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने कर 1-1 से बराबरी कर ली। तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीति ने फिर से गोल दाग कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसकी के साथ ही टूर्नामेंट में हरमनप्रीति के गोलों की संख्या 10 हो गई।

पीएमएलए मामला: सेंथिल बालाजी के खिलाफ आरोप तय

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी के खिलाफ धनशोधन मामले में एक सत्र अदालत ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत बृहस्पतिवार को आरोप तय किए।

बालाजी को पिछले साल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। प्राधिकारियों ने प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अली के समक्ष सेंथिल बालाजी को पेश किया। न्यायाधीश ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा तीन के तहत उनके खिलाफ आरोप तय किए, जो अधिनियम की धारा चार के तहत दंडनीय है। न्यायाधीश ने पूर्व मंत्री को आरोप पढ़कर सुनाए। जब न्यायाधीश ने सेंथिल बालाजी से पूछा कि वह दोषी हैं या नहीं, तो उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताया। इससे पहले, न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष का मामला पढ़ा, जिसमें उस समय हुए कथित नौकरी भर्ती घोटाले से संबंधित लेन-देन शामिल हैं, जब बालाजी पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार के दौरान परिवहन मंत्री थे।

रिजर्व बैंक ने लगातार नौवीं बार रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा।

आरबीआई ने कहा कि खाने के सामान की ऊंची महंगाई को नरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसके अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव को रोकने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति पर सतर्क रुख बरकरार रखते हुए रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है।

एमपीसी के छह सदस्यों में से चार ने नीतिगत दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया।

इसके साथ ही मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य को हासिल करने के मकसद से उदार रुख को वापस लेने का रुख कायम रखा है। एमपीसी में आरबीआई के तीन और तीन बाहरी सदस्य हैं। सदस्यों में से डॉ. शशांक भिड़े, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. माइकल देबब्रत पात्रा और शक्तिकांत दास ने नीतिगत दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया जबकि डॉ. आशिमा गोयल और प्रो. जयंत आर. वर्मा ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती का समर्थन किया।

'कर्ज के ऊपर कर्ज' में वृद्धि का रुझान सिर्फ कुछ बैंकों तक सीमित : दास

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्ज के ऊपर लिए जाने वाले कर्ज (टॉप-अप) में बढ़ोतरी का 'रुझान' व्यवस्थागत मसला न होकर कुछ बैंकों तक ही सीमित है। दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा, टॉप-अप कर्ज में नियामकीय प्रावधानों का पालन नहीं करने वाले बैंकों के साथ आरबीआई द्विपक्षीय स्तर पर निपटेगा और यह कोई व्यवस्थागत समस्या नहीं है। टॉप-अप कर्ज खुदरा कर्ज के साथ आवास ऋण के ऊपर लिया जाने वाला कर्ज है। दास ने इससे पहले दिन में कहा था कि आवास इक्विटी कर्ज या टॉप-अप ऋण में उच्च वृद्धि हुई है, जिसमें ऋणदाता स्वर्ण ऋण और आवास ऋण जैसे अन्य गारंटी वाले कर्ज पर टॉप-अप ऋण की पेशकश कर रहे हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विजयी विनेश

आखिर चूक हुई क्यों ऐसी,
सबके ही मन में यह क्लेश।
मैनेजर या कोच बताएं,
किसकी गलती रही विशेष।
गर्व सभी को तुम पर बिटिया,
साथ तुम्हारे सारा देश।
अब जी को हलकान करो मत,
फोकट में फोगाट विनेश।।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन, प्रो. यूनुस ने ली मुख्य सलाहकार पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/एजेन्सी। बांग्लादेश में सुश्री शेख हसीना का तख्तापलट के बाद अंतरिम सरकार का गठन हो गया है।

नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार शाम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली।

प्रो. यूनुस और नई अंतरिम सरकार में शामिल सदस्यों को बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने गणभवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस मुख्य सलाहकार, सुश्री सैयदा रिजवाना हसन बांग्लादेश पर्यावरण वकील एसोसिएशन (बेला) की मुख्य कार्यकारी, सुश्री फरीदा अख्तर महिला अधिकार कार्यकर्ता, आदिलुर रहमान खान ओधिकार के संस्थापक, एएफएण खालिद हुसैन हिफाजत-ए-इस्लाम के नायब-ए-अमीर एवं इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के सलाहकार, सुश्री नूरजहां बेगम ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी, शरमीन मुर्शिद स्वतंत्रता सेनानी, सुप्रदीप चकमा सीएचटीबी के अध्यक्ष बने हैं।

गौरतलब है कि डॉ यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने की मांग बांग्लादेश के छात्र संगठनों की तरफ से उठाई गई थी। उन्होंने सेना समेत सभी राजनीतिक दलों को चेतावनी दी थी कि वे किसी दूसरे को प्रमुख बनाने को स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसे में विदेश में मौजूद डॉ यूनुस गुरुवार को अपराह्न में बांग्लादेश पहुंचे और ढाका हवाई अड्डे पर सशस्त्र बलों के प्रमुख, नागरिक समाज के सदस्यों और छात्र नेताओं से मिले।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूनुस को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने वाले मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं दीं और देश में जल्द ही स्थिति सामान्य होने तथा हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित यूनुस (84) ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' में आयोजित समारोह में यूनुस को पद की शपथ दिलाई। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को नई जिम्मेदारी संभालने के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं।

बांग्लादेश की जनता का हित सर्वोपरि, भविष्य की यात्रा योजना पर हसीना को निर्णय लेना है : भारत

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के कार्यभार संभालने के बीच भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश के लोगों का हित उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। भारत ने यह भी कहा कि अपनी भावी यात्रा योजना पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को निर्णय लेना है।

बांग्लादेश में उभरती स्थिति पर भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने सभी नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत देश में ''जितनी जल्दी हो सके'' शांति और स्थिरता बहाल होते देखना चाहता है ताकि सामान्य जीवन पटरी पर लौट सके।

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ के बीच भारत की यह टिप्पणी आई है। बांग्लादेश में छात्रों के प्रदर्शन के हिंसक रूप लेने के बाद हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और दिल्ली के निकट हिंडन एयरबेस पर उतरी थीं।

जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''जहां तक भारत का सवाल है, बांग्लादेश के लोगों के हित हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।

विकास गतिविधियों के चलते बीते 10 वर्षों में 1,700 वर्ग किमी से अधिक वन क्षेत्र खत्म हुआ : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि विकास गतिविधियों के कारण पिछले 10 वर्षों में 1,700 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र खत्म हो गया लेकिन प्रतिपूरक वनरोपण के लिए भूमि का अधिग्रहण भी किया गया है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह भी कहा कि देश का समेकित समग्र वन क्षेत्र बढ़ा है एवं सरकार इसे और बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि पांच पूर्वोत्तर राज्यों – अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम और मेघालय – में वन क्षेत्र कम हो गया है, जबकि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, कर्नाटक और झारखंड जैसे राज्यों में वन क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा ''पिछले 10 वर्षों में विकास गतिविधियों के कारण 1,73,396 हेक्टेयर (1733 वर्ग किमी) वन क्षेत्र खत्म हो गया है। हालांकि प्रतिपूरक वनरोपण के तहत भूमि का अधिग्रहण भी किया गया है। इसके कारण 21,761 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बढ़ा है। इस प्रकार सरकार ने वन क्षेत्र के नुकसान की भरपाई की है।''

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद नारायण दास गुप्ता ने पूछा कि क्या सरकार ने भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कोई सर्वेक्षण किया है या कोई तंत्र विकसित किया है, ताकि जानमाल की हानि को रोका जा सके? इस पर जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार हर दो साल में वन सर्वेक्षण करती है। हालांकि, घटनाएं आपदा प्रबंधन का विषय है और राज्य सरकारें इस पर गौर करती हैं। यादव ने कहा '' यदि मंत्रालय किसी एजेंसी को कोई परियोजना की अनुमति देता है, तो यह सुनिश्चित करता है कि उस क्षेत्र की मिट्टी और नमी सुरक्षित रहे। इसके अलावा, यह पहाड़ी क्षेत्रों में वन्यजीवों के लिए मार्ग भी सुनिश्चित करता है, ताकि उनके आवागमन के दौरान उन्हें किसी भी बाधा का सामना न करना पड़े।''

कांग्रेस की रंजीत रंजन ने दावा किया कि 1,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में वन क्षेत्र कम हो रहा है, फिर भी सरकार इन क्षेत्रों के लिए परियोजनाओं को मंजूरी दे रही है। रंजन ने उत्तराखंड में भागीरथी चार धाम परियोजना का मुद्दा भी उठाया और कहा कि सरकार ''वन क्षेत्रों को खत्म कर रही है। '' इस पर यादव ने कहा ''पांच राज्यों में वन क्षेत्र में कमी आई है, उत्तराखंड इस सूची में नहीं है। पूर्वोत्तर राज्यों में वन क्षेत्र में कमी सीमित क्षेत्रों तक सीमित है।'' यादव ने कहा कि सरकार का कर्तव्य है कि वह उन राज्यों का विकास करे और वहां सड़क, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए। राकांपा की फौजिया खान ने कहा कि मंत्रालय ने करीब बीस लाख पेड़ों को काटने की आवश्यकता वाली 80 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि विकल्प के रूप में फंड प्रबंधन के साथ वनरोपण किया जा सकता है।

पंजाब में दो तस्कर गिरफ्तार, छह किग्रा से अधिक हेरोइन जब्त

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर जिले में महिला समेत दो लोगों के कब्जे से छह किलोग्राम से अधिक हेरोइन कथित तौर पर बरामद करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने उनके पास से छह लाख रुपए नकद भी बरामद किये हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मोगा निवासी सिमरन कौर उर्फ इंदु (38) और मोगा के जैमल वाला निवासी गुरजोत सिंह (28) के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि है। सिमरन के खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) और जेल अधिनियम आदि से संबंधित कम से कम 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

डीजीपी यादव ने बताया कि फिरोजपुर पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि सिमरन और गुरजोत ने सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से गिराई गई मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप हासिल की है और वह इसे अपनी कार में रख कर किसी को देने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पुराने मुदकी रोड पर नाकेबंदी की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी कार में छिपाकर रखी गई 6.65 किलोग्राम हेरोइन तथा छह लाख रुपए की नकदी जब्त कर ली गई।

नौकरी पाने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र देने वाले सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा सकता है: केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि मौजूदा निर्देशों के अनुसार, नियुक्ति पाने के लिए गलत जानकारी देने या गलत प्रमाण पत्र पेश करने पर सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त किया जा सकता है।

केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय-समय पर सरकारी मंत्रालयों और विभागों को फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी मिलने की शिकायतें मिलती हैं, जिन्हें आमतौर पर उचित कार्रवाई के लिए संबंधित मंत्रालयों/विभागों को भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा, ''मौजूदा निर्देशों के मुताबिक, अगर यह पाया जाता है कि किसी सरकारी कर्मचारी ने नियुक्ति पाने के लिए गलत जानकारी दी है या गलत प्रमाण पत्र पेश किया है, तो उसे सेवा में नहीं रखा जाना चाहिए।'' मंत्री ने बताया कि जब नियुक्ति प्राधिकारी को पता चलता है कि किसी कर्मचारी ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र पेश किया है, तो वह संबंधित सेवा नियमों के प्रावधानों के अनुसार ऐसे कर्मचारी को सेवा से हटाने या बर्खास्त करने के लिए कार्रवाई शुरू करता है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में परिवीक्षाधीन (प्रोबेशनरी) आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की अनंतिम उम्मीदवारी रद्द कर दी थी और योग्यता से परे सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी से प्रयास करने के कारण उन्हें भविष्य की सभी परीक्षाओं से वंचित कर दिया था।

केंद्र ने चुनिंदा देशों में मंजूरी प्राप्त दवाओं को भारत में नैदानिक परीक्षण से छूट दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने भारत में चुनिंदा श्रेणी की उन दवाओं के लिए जरूरी नैदानिक परीक्षण (क्लिनिकल ट्रायल) से छूट प्रदान कर दी है जिन्हें अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय संघ में मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। इस छूट के तहत केवल पांच श्रेणियां आती हैं – दुर्लभ बीमारियों से जुड़ी 'ऑर्फन' दवाएं, जीन और सेलुलर थेरेपी उत्पाद, महामारी स्थितियों में उपयोग की जाने वाली नई दवाएं, विशेष रक्षा उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली नई दवाएं और वर्तमान मानक देखभाल पर महत्वपूर्ण चिकित्सीय प्रगति वाली नई दवाएं।

यह छूट भारत में कैंसर, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) और डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमए) जैसी दुर्लभ बीमारियों और 'ऑटोइम्यून' स्थितियों के इलाज के लिए नवीनतम दवाओं की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) ने सात अगस्त को जारी एक आदेश में कहा, ''नई दवाएं एवं नैदानिक परीक्षण नियम-2019 के नियम 101 के अनुसार, केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण केंद्र सरकार की मंजूरी के साथ, अध्याय 10 के तहत स्थानीय नैदानिक परीक्षण छूट पर विचार करने के लिए समय-समय पर एक आदेश द्वारा देशों के नाम निर्दिष्ट कर सकता है और उक्त नियमों के अध्याय पांच के तहत नैदानिक परीक्षण करने की अनुमति दे सकता है।''

इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार की मंजूरी के साथ उक्त नियमों के नियम 101 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय संघ जैसे देशों को नई दवाओं की कुछ श्रेणियों के लिए निर्दिष्ट किया गया है।

संसद स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कटौती नहीं कर सकती: वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाली जीएसटी (माल एवं सेवा कर) में कटौती नहीं कर सकती और इस संबंध में कोई फैसला जीएसटी परिषद द्वारा ही लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 2017 में जीएसटी व्यवस्था लागू होने से पहले राज्यों ने बीमा प्रीमियम पर कर लगाया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने उच्च सदन में वित्त विधेयक, 2024 पर हुई चर्चा का जवाब देते यह टिप्पणी की।

चर्चा के दौरान विपक्ष के कई सदस्यों ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कटौती करने की मांग की थी। वित्त मंत्री ने कहा कि संसद जीएसटी दरें तय करने का मंच नहीं है। इस मामले को जीएसटी परिषद में ले जाना जाना होगा, जिसमें राज्यों का दो-तिहाई प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर जीएसटी परिषद अपने फैसले सर्वसम्मति से करती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम से मिलने वाली राशि का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा राज्यों को ही मिलता है। उन्होंने एलटीसीजी (दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ) कर में संशोधन किए जाने का भी जिक्र किया। इसके तहत 23 जुलाई, 2024 से पहले खरीदी गई संपत्तियों की बिक्री पर इंडेक्सेशन यानी मुद्रास्फीति के प्रभाव का लाभ बहाल कर दिया गया है। अब जिन व्यक्तियों या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) ने 23 जुलाई, 2024 से पहले घर खरीदा है, वे नई योजना के तहत एलटीसीजी कर का भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं। इंडेक्सेशन के बिना उन्हें 12.5 प्रतिशत और इंडेक्सेशन लाभ के साथ 20 प्रतिशत कर का भुगतान करने की जरूरत होगी। वे उस विकल्प को चुन सकते हैं, जिसमें कर की दर कम हो। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के बजट प्रस्तावों का उद्देश्य मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने के अलावा निवेश को बढ़ावा देना है। सरकार ने ग्रामीण विकास सहित अर्थव्यवस्था के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बजटीय प्रावधानों में पर्याप्त वृद्धि की है।

यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए करने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा बढ़ाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। वर्तमान में, यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपए है। दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर, रिजर्व बैंक ने समय-समय पर पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है।

दास ने कहा, '' चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख प्रति लेनदेन करने का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।'' आरबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ हो गया है। हालांकि, उपयोगकर्ता आधार के और विस्तार की संभावना है। यूपीआई में 'डेलिगेटेड पेमेंट्स' शुरू करने का भी प्रस्ताव है। दास ने कहा कि 'डेलिगेटेड पेमेंट्स' से एक व्यक्ति (प्राथमिक उपयोगकर्ता) को प्राथमिक उपयोगकर्ता के बैंक खाते पर किसी अन्य व्यक्ति (द्वितीयक उपयोगकर्ता) के लिए यूपीआई लेनदेन सीमा निर्धारित करने की अनुमति मिलेगी।

इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संबंध में भी विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगें। इसके साथ ही आरबीआई ने अनधिकृत कंपनियों की जांच के लिए डिजिटल ऋण देने वाले ऐप के सार्वजनिक तौर पर आंकड़े तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। दास ने कहा कि ग्राहकों के हितों की सुरक्षा, डाटा गोपनीयता, ब्याज दरों तथा वसूली प्रक्रियाओं, गलत बिक्री आदि पर चिंताओं से निपटने के लिए दिशानिर्देश दो सितंबर, 2022 को जारी किए गए थे।

नैनीताल में लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' ढहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नैनीताल/भाषा। 'टिफिन टॉप' के नाम से प्रसिद्ध नैनीताल का लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'डोरोथी सीट' मंगलवार देर रात भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में ढह गया।

उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि 11 बजे शहर तेज आवाज से गूंज उठा और 'टिफिन टॉप' से बड़े-बड़े पत्थर नीचे गिरने लगे। चूंकि क्षेत्र में उस समय कोई नहीं था, इसलिए भूस्खलन से कोई जनहानि नहीं हुई। समुद्र तल से 2290 मीटर की उंचाई पर स्थित 'डोरोथी सीट' में हर साल लाखों पर्यटक और स्थानीय लोग घूमने के लिए जाते हैं। 'टिफिन टॉप' के मार्ग में पड़ने वाली पहाड़ी पर भी गहरी दरारें आ गयीं जिससे उसके उपर पर बनी संरचनाएक गोल प्लेटफार्म और उस पर बनी एक 'बेंच' भी गिर गयी। 'डोरोथी सीट' से शहर का बहुत सुंदर नजारा दिखाई देता है और मौसम साफ होने पर हिमालय की पहाड़ियां दिखाई देती हैं। 'डोरोथी सीट' ब्रिटिश सैन्य अधिकारी कर्नल केलेट ने अपनी दिवंगत पत्नी डोरोथी की याद में बनाई थी जिन्हें इस जगह पर बैठकर चित्रकारी करना पसंद था । जहाज से इंग्लैंड जाते समय डोरोथी की सेप्टिसीमिया रोग से मृत्यु हो गयी थी। 'टिफिन टॉप' नैनीताल से तीन किलोमीटर की दूरी पर है। सूचना मिलते ही मध्यरात्रि 12 बजे उपजिलाधिकारी को जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी और राज्य आपदा प्रतिवादन बल की एक टीम के साथ मौके पर भेजा गया। क्षेत्र में चाय की दुकान चलाने वाले दिनेश सुंथा ने बताया कि मंगलवार रात उनका भतीजा आशुतोष दुकान के अंदर ही सो रहा था और उसी ने बताया कि रात में डोरोथी सीट स्थल गिर गया।

जियो फाइनेंशियल देश के समृद्ध, समावेशी वित्तीय भविष्य को देगी आकारः अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा है कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (जेएसएफएल) प्रौद्योगिकी पर ध्यान देकर और जरूरत के हिसाब से उत्पाद तैयार कर देश के समृद्ध, एवं समावेशी वित्तीय भविष्य को आकार देगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. की अनुषंगी कंपनी जेएफएसएल निवेश, वित्तपोषण, बीमा, भुगतान बैंक जैसे कारोबार में लगी हुई है।

अंबानी ने शेयरधारकों को दिए संदेश में कहा कि कंपनी का ध्यान देश भर में नवोन्मेष, वृद्धि और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने पर है। उन्होंने जेएफएसएल की वार्षिक रिपोर्ट में कहा, ''हम अपनी सेवाओं का विस्तार करने के साथ उपयोगकर्ताओं के लिए अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए वित्तीय प्रबंधन को सरल बनाने को लेकर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं।'' अंबानी ने कहा कि कंपनी का मिशन भारत में वित्तीय सेवाएं प्रदान करने और बेहतर अनुभव को लेकर आमूलचूल बदलाव लाना है। कंपनी ने सबसे पहले ग्राहक की सोच के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके मजबूत नींव रखी है। इसकी वजह से निर्बाध, सुरक्षित और अनूठे वित्तीय समाधान प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा, ''हम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने वाले वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने के लिए प्रौद्योगिकी में अपनी विशेषज्ञता और भारतीय बाजार की बेहतर समझ का लाभ उठाते रहेंगे।''

'भारतीय वायुयान विधेयक विमानन कानून में विसंगतियों को दूर करेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय वायुयान विधेयक 2024 विमानन कानून में मौजूदा विसंगतियों को दूर करेगा और इस उद्योग को बढ़ने में मदद करेगा। विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने विधेयक को लोकसभा में चर्चा और पारित कराये जाने के लिए पेश करते हुए नये कानून की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विमान अधिनियम, 1934 पिछले कुछ वर्षों में अपने कई संशोधनों के कारण पुराना हो गया है।

लोकसभा में 31 जुलाई को पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य ''विमान के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव, संचालन और बिक्री सहित विमानन उद्योग के विभिन्न पहलुओं को विनियमित करना'' है। नायडू ने बताया कि 1934 के अधिनियम में 21 संशोधन किए गए, जिसके परिणामस्वरूप, विशेष रूप से नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) जैसे आंतरिक संगठनों की शक्तियों और कार्यों के संबंध में अस्पष्टताएं और विरोधाभास उत्पन्न हुए। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों ने विमानन क्षेत्र में भ्रम पैदा किया है, जिससे संबंधित अधिकारियों के लिए प्रभावी ढंग से काम करना मुश्किल हो गया है।

सेबी ने निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट, ट्रस्टी पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली/भाषा। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड और निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी लिमिटेड पर कुल तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

यह जुर्माना परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी के बहीखातों में कुल व्यय अनुपात (टीईआर) शुल्क लगाने से संबंधित है।

नियामक ने निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट पर दो लाख रुपए और निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगा है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आदेश के अनुसार इन कंपनियों को 45 दिनों के भीतर उक्त राशि का भुगतान करना होगा।

उद्धव ठाकरे ने केजरीवाल की पत्नी से मुलाकात की, समर्थन का आश्वासन दिया : संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर जाकर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ उनके बेटे आदित्य ठाकरे और पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत भी थे। ठाकरे की सुनीता केजरीवाल से मुलाकात के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा भी मौजूद थे।

सिंह ने पत्रकारों से कहा, ''वे यहां केजरीवाल की पत्नी, उनके माता-पिता और बेटी से मिलने आए थे। मौजूदा हालात, तानाशाही पर चर्चाएं हुईं। केजरीवाल के मामले में कानून व्यवस्था के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि निचली अदालत का आदेश अपलोड होने से पहले उनकी जमानत पर रोक लगा दी गयी और फिर सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।'' सिंह ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) विपक्ष की आवाज दबाने के लिए उसके खिलाफ सरकारी हथियार हैं। 'आप' नेता ने कहा, ''हम तानाशाही के खिलाफ एक साथ मिलकर लड़ेंगे। उद्धव ने सुनीता भाभी और उनके परिवार को आश्वस्त किया कि हर कोई इस मुश्किल वक्त में उनके साथ है।'' बाद में, आदित्य ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''...उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। हम उन ताकतों के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं जो भारत के ताने-बाने को नष्ट करना चाहती हैं। केंद्रीय एजेंसियां अरविंद केजरीवाल को निशाना बना रही हैं क्योंकि भाजपा को उनसे डर है। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमारी लड़ाई जारी है।''

केजरीवाल की आप और ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') की घटक हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख विपक्षी गठबंधन के नेताओं से मिलने और महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं।

विनेश फोगाट को पदक विजेता की तरह सम्मानित किया जाएगा : हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार पहलवान विनेश फोगाट को पदक विजेता की तरह सम्मानित करेगी। विनेश को 50 किलोग्राम वर्ग में, स्वर्ण पदक के लिए मुकाबले से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि उन्हें वही पुरस्कार दिया जाएगा जो राज्य सरकार ओलंपिक खेलों के रजत पदक विजेताओं को देती है।

विनेश ने बृहस्पतिवार को अपने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती करियर को अलविदा कहते हुए कहा कि उनके पास अब इसे जारी रखने की ताकत नहीं है। बुधवार को स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले 100 ग्राम अधिक वजन पाए जाने के बाद अयोग्य घोषित की गई 29 वर्षीय इस पहलवान ने सोशल मीडिया पर संन्यास लेने के अपने फैसले की घोषणा करते हुए उन सभी से माफी मांगी, जिन्होंने उनका समर्थन किया था।

सैनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हरियाणा की हमारी बहादुर बेटी विनेश फोगाट ने शानदार प्रदर्शन किया और ओलंपिक के फाइनल में प्रवेश किया। वह किसी कारण से फाइनल में भले ही प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाईं, लेकिन वह हम सभी के लिए एक चैंपियन हैं।'' उन्होंने हिंदी में लिखे अपने पोस्ट में कहा, ''हमारी सरकार ने तय किया है कि विनेश फोगाट को पदक विजेता की तरह स्वागत और सम्मान किया जाएगा। हरियाणा सरकार ओलंपिक रजत पदक विजेता को जो सम्मान, पुरस्कार और सुविधाएं देती है, वही सब विनेश फोगाट को दी जाएंगी।''

केरल भूस्खलन : वायनाड के आपदाग्रस्त इलाकों से सेना की आंशिक रूप से वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। उत्तरी केरल के वायनाड जिले में बड़े पैमाने पर भूस्खलन में सैकड़ों लोगों की मौत के नौ दिन बाद, सेना ने बृहस्पतिवार को यहां से आंशिक रूप से वापसी का निर्णय लिया। भूस्खलन के बाद सेना ने वायनाड में खोज एवं बचाव अभियान का नेतृत्व किया और आपदा के कारण राज्य के शेष हिस्सों से कटे क्षेत्रों को जोड़ने के लिए एक पुल भी बनाया।

राज्य के लोक निर्माण मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास ने तलाश एवं राहत अभियान से आंशिक रूप से हटने के सेना के फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सेना ने अपना काम पूरा कर लिया है और उन्होंने सेना की सेवा के लिए उसका आभार जताया। रियास ने कहा कि सेना द्वारा रिकॉर्ड समय में बनाया गया 190 फुट लंबा बेली पुल मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में खोज और बचाव अभियान को तेज करने में मददगार साबित हुआ, जो आपदा में तबाह हो गए थे और पूरी तरह से अलग-थलग हो गए थे।

मंत्री ने यहां जिला कलेक्टरेट में संवाददाताओं से कहा कि सेना को जाते हुए देखना दुखद है क्योंकि इतने दिनों तक सभी ने मिलकर काम किया।

उन्होंने कहा कि सेना संकट के समय आई थी, इसलिए उन्हें विदाई देने में भावनात्मक दिक्कत हो रही है। रियास ने कहा,''लेकिन, उन्होंने अपना कर्तव्य पूरी तरह से निभाया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनके जाने के बाद किसी की जान न जाए। उनके पास कई अन्य जिम्मेदारियां भी हैं। मुझे इसका एहसास है इसलिए हम उनकी सेवाओं के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं।''

संवाददाता सम्मेलन में मौजूद सेना के अधिकारियों में से एक ने कहा कि वे पूरी तरह से नहीं जा रहे हैं क्योंकि बेली ब्रिज के रखरखाव और चलियार नदी पर गहरे जंगलों में दुर्गम क्षेत्रों में खोज अभियानों में सहायता के लिए एक छोटी टुकड़ी क्षेत्र में ही रहेगी। अधिकारी ने कहा, हम भले ही जा रहे हैं लेकिन हमारा दिल विशेष रूप से केरल, वायनाड और मेप्पडी के लोगों के पास है। हम मंत्रियों, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपातकालीन सेवा कर्मियों के साथ-साथ लोगों के सहयोग के लिए उनके आभारी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी कल वायनाड के भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को केरल के वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केरल के पर्वतीय वायनाड जिले में गत 30 जुलाई को तड़के कई जगहों पर हुई भूस्खलन की घटनाओं के बाद मृतकों की संख्या 226 हो गई है। क्षेत्र के भूस्खलन प्रभावित इलाकों में अभी भी तलाश अभियान जारी है और आज शव खोजी कुत्तों को अधिक संख्या में आपदा स्थलों पर मलबे के नीचे दबे अवशेषों की तलाश में लगाया गया।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 10 अगस्त को दोपहर कलपेट्टा पहुंचेंगे और उसके बाद प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा भी करेंगे। बुधवार की स्थिति के अनुसार, भूस्खलन में लापता लोगों की संख्या करीब 138 है और 226 से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। वायनाड जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, सात अगस्त तक आपदा प्रभावित इलाकों और चलियार नदी से 192 अंग भी बरामद किए गए।

वायनाड भूस्खलन : सुकेश चंद्रशेखर ने 15 करोड़ रुपये और 300 मकानों के निर्माण की पेशकश की

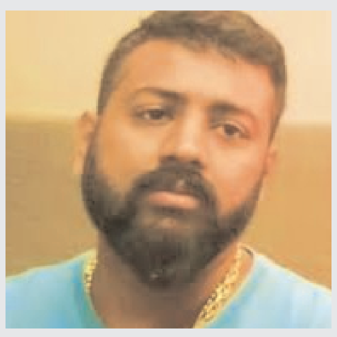

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को पत्र लिखकर उनसे वायनाड जिले में हुए भूस्खलन के मद्देनजर मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में उसकी ओर से 15 करोड़ रुपये के योगदान को स्वीकार किए जाने का अनुरोध किया है। चंद्रशेखर यहां मंडोली जेल में बंद हैं। उसने कहा कि केरल जिस स्थिति से गुजर रहा है, वह उसे देखकर ''बहुत दुखी'' है और जरूरत के इस समय में वह सहायता करना चाहता है। चंद्रशेखर के वकील अनंत मलिक ने उसके द्वारा यह पत्र लिखे जाने की पुष्टि की।

पत्र में कहा गया है, ''मैं अपने फाउंडेशन की ओर से मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष के लिए 15 करोड़ रुपये का योगदान स्वीकार किए जाने का अनुरोध करता हूं... आज किए जा रहे उपर्युक्त योगदान के अलावा, मैं प्रभावितों की मदद के मकसद से 300 मकानों के तत्काल निर्माण में योगदान के लिए भी अपना सहयोग देने का वचन देता हूं।''

चंद्रशेखर ने दावा किया कि यह योगदान ''वैध व्यावसायिक खातों'' से दिया जाएगा। उसने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि वह इस प्रस्ताव को स्वीकार करे और इसका उपयोग भूस्खलन त्रासदी से प्रभावित लोगों के कल्याण और पुनर्वास के लिए करे। केरल सरकार ने चंद्रशेखर के पत्र का अभी तक जवाब नहीं दिया है। कथित ठग और उसकी पत्नी धन शोधन एवं कई लोगों को धोखा देने के आरोप में जेल में बंद हैं। अधिकारियों के अनुसार, 30 जुलाई को मुंडक्कई और चूरलमाला में हुए विनाशकारी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 226 हो गई है। स्थानीय प्रशासन द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 138 लोग अब भी लापता हैं।

हमने लोगों को मलबे के साथ बहते देखा लेकिन हम कुछ नहीं कर सके : पुलिस अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। वायनाड में कभी न भरने वाले जख्म देने वाली भूस्खलन की घटना को एक सप्ताह हो गया है, लेकिन उस भयावह दिन की यादें अभी भी मेप्पाडी पुलिस थाने के एक पुलिस अधिकारी को सताती हैं, जो चूरलमाला क्षेत्र में आई विनाशकारी आपदा के बीच लोगों की जान बचाने में अपनी असमर्थता को बेहद पीड़ा के साथ याद करते हैं। मेप्पाडी पुलिस थाने के सिविल पुलिस अधिकारी जिबलू रहमान ने पहला भूस्खलन होने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए ओडिशा के दो पर्यटकों को मलबे से बचाया।

जब रहमान मौके पर पहुंचे तो जीवित बचे लोगों में से एक के हाथ-पैर टूटे हुए थे और दूसरे के कपड़े फटे हुए थे और उसे खरोंचें आई थीं। वे मदद के लिए चिल्ला रहे थे। रहमान ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, उन्होंने मुझे बताया कि ऊपर की ओर दो और लोग हैं। मैंने उन्हें अपनी टी-शर्ट और कोट दिया और उन्हें वहां पर पहुंचे स्थानीय युवाओं के सुपुर्द किया। फिर, मैं अन्य दो लोगों की तलाश में ऊपर की ओर चला गया। जैसे ही रहमान ऊपर की ओर दो व्यक्तियों की ओर बढ़े, उन्होंने एक तेज आवाज़ सुनी और समझ गए कि एक और भूस्खलन हुआ है।

कोई और विकल्प न होने पर, वह सुरक्षित स्थान की ओर भागे। उन्होंने देखा कि पानी पूरे वेग से नीचे की ओर बह रहा है और अपने साथ कीचड़, पत्थर और पेड़ों को बहाकर ले जा रहा है। उन्होंने लोगों को मलबे के साथ बहते हुए देखा और उनके रोंगटे खड़े हो गए। वह कुछ भी करने में खुद को असमर्थ महसूस कर रहे थे। रहमान से पहले, वन विभाग का रात्रि गश्ती दल घटनास्थल पर था, जो हाथियों के आवासीय क्षेत्र में भटकने के बारे में स्थानीय लोगों की कॉल का जवाब दे रहा था। मेप्पाडी के उप वन रेंज अधिकारी के प्रदीप ने पीटीआई भाषा' को बताया, स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद हमारी रात्रि गश्त टीम मौके पर गई थी, जिसमें कहा गया था कि हाथी आवासीय क्षेत्र में घुस आए हैं। हम हाथियों को वापस जंगल में खदेड़ने के लिए वहां गए थे। मौके पर पहुंचने पर, उन्होंने नदी में बढ़ते जल स्तर को देखा और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी।

प्रदीप ने कहा, जब हम वापस लौट रहे थे, तो हमने एक तेज आवाज सुनी, और पहला भूस्खलन हुआ। लोग सुरक्षित जगह पर भागने लगे और हमने उन्हें सुरक्षित जगह पर पहुंचने में मदद करने के लिए अपनी सर्च लाइट और वाहन की हेडलाइट चालू की। वन टीम ने 45 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जब बचाव कार्य जारी था, तभी उन्होंने दूसरी तेज आवाज सुनी और समझ गए कि एक बड़ा भूस्खलन हुआ है।

अधिकारियों के अनुसार, 30 जुलाई को वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला इलाकों में हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 226 हो गई है। स्थानीय प्रशासन द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद 138 लोग लापता हैं।

राज्यसभा में केरल के सदस्यों ने की राज्य के लिए विशेष पैकेज की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। विपक्षी सदस्यों ने राज्यसभा में बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उनके अनुरोध तथा समस्याएं धरी की धरी रह गईं और बजट में केवल कुछ राज्यों को ही प्राथमिकता दी गई। केरल से उच्च सदन में आए सदस्यों ने राज्य में एम्स की स्थापना किए जाने तथा वायनाड में हुए भूस्खलन को देखते हुए राज्य के लिए विशेष पैकेज की भी मांग की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य पी पी सुनीर ने कहा कि बजट में बेरोजगारी, महंगाई, कर राहत आदि के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। उन्होंने कहा कि केरल के साथ अन्याय हुआ है क्योंकि राज्य को बजट में राज्यों के लिए निर्धारित राशि में से दो फीसदी से भी कम राशि मिली जबकि उत्तर प्रदेश को 80 प्रतिशत राशि दी गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार को समर्थन देने वाले जद (यू) तथा तेदेपा शासित राज्यों को विभिन्न मदों में भरपूर राशि दी गई लेकिन केरल को उसकी जरूरी मदों की राशि से भी वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि केरल के लिए कोई विशेष पैकेज की घोषणा नहीं की गई जबकि राज्य समाज कल्याण सहित हर क्षेत्र में आगे है। उन्होंने केंद्र पर केरल के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में एम्स की स्थापना की मांग पर ध्यान नहीं दिया गया। केसी (एम) के जोस के मणि ने कहा कि 2014 में जब राजग सरकार सत्ता में आई थी तब उन्होंने तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री हषवर्द्धन को केरल में एम्स' की स्थापना के लिए अभ्यावेदन दिया था। उन्होंने कहा कि इस बारे में बार बार अनुरोध किया गया और आश्वासन भी मिला लेकिन आज तक एम्स नहीं मिला। उन्होंने कहा कि सरकार को राजनीतिक नजरिये से नहीं सोचना चाहिए क्योंकि केरल के स्वास्थ्य ढांचे की ख्याति दुनिया भर में है।

मणि ने रबड़ किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि वे मुश्किल में हैं और उन्हें उनकी उपज का उचित दाम नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने मांग की कि रबड़ किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य के वायनाड में हाल में हुए भूस्खलन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां युद्धस्तर पर राहत एवं पुनर्वास कार्य करना होगा जिसके लिए केंद्र की ओर से विशेष पैकेज दिया जाना चाहिए। भाजपा के परमार जसवंतसिंह सालमसिंह ने कहा कि सरकार ने पिछले 10 साल में गरीब, युवा, किसान सहित विभिन्न वर्गों के लिए कई काम किए हैं। उन्होंने डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) को सरकार की एक प्रमुख उपलब्धि बताया और कहा कि इससे सरकारी योजना का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है और भ्रष्टाचार खत्म हुआ है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के माध्यम से अगले पांच साल में 20 लाख युवाओं को रोजगार मुहैया कराने की योजना सराहनीय है। सालमसिंह ने कहा कि हाल ही में सिकलसेल के बारे में सदन में चर्चा हुई। उन्होंने कहा इस बीमारी का इलाज बहुत महंगा है और पूरा परिवार बुरी तरह परेशान हो जाता है। इस स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान योजना और गुजरात सरकार की योजना मुख्यमंत्री अमृतम कार्ड' से करीब दस लाख रुपये की मदद मिलती है जो जरूरत के समय बेहद उपयोगी साबित होती है। इसी पार्टी के महेंद्र भट्ट ने कहा आज देश में कई अच्छे पुल, सड़कें और सीमाई राज्यों में 'ऑल वेदर रोड' विकास की राह में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

उच्च सदन में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले भट्ट ने कहा मैं पहाड़ का रहने वाला हूं। हमारे यहां पलायन होता था तो मुख्य कारण सड़कें और बेरोजगारी होते थे। आज इन दोनों कारणों का समाधान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सैनिकों का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि अब हमें दूसरे देशों से कुछ नहीं मांगना पड़ता। अग्निपथ योजना में शामिल होने के बाद जब युवा अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करके आएंगे तो ज्यादातर राज्यों ने उनके कल्याण के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से कोयम्बटूर निग की नवनिर्वाचित मेयर आर रंगानायके ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें बधाई दी। इस मौके पर नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू, कोयंबटूर नगर निगम सचिव ना. कार्तिक, उपमहापौर वेट्टीसेल्वन उपस्थित थे।

द्रमुक, आरएसपी ने वायुयान विधेयक का नाम हिंदी में होने का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में भारतीय वायुयान विधेयक का नाम सिर्फ हिंदी में होने का विरोध किया और आरोप लगाया कि यह हिंदी भाषा थोपने का प्रयास है। लोकसभा में भारतीय वायुयान विधेयक, 2024 पर चर्चा में भाग लेते हुए द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने कहा कि हिंदी राष्ट्रीय भाषा नहीं है और वह अन्य भाषाओं की तरह एक सिर्फ एक भाषा है। उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू को संबोधित करते हुए कहा, अगर आप इस विधेयक का नाम तेलुगू में रखते तो हम इसकी सराहना करते।

नायडू का ताल्लुक आंध्र प्रदेश से है। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद एन. के प्रेमचंद्रन ने भी हिंदी में विधेयक का शीर्षक दिये जाने का विरोध किया और इसे दक्षिण भारतीय राज्यों पर हिन्दी थोपने का प्रयास करार दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद में शीर्षक को अंग्रेजी में देना अनिवार्य किया गया है, लेकिन सरकार ने सोची समझी नीति के तहत विधेयक का हिन्दी में शीर्षक दिया है। उन्होंने कहा कि यह दक्षिण भारतीय राज्यों पर हिन्दी थोपने का प्रयास है। चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद गणेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हर क्षेत्र में सुधार किया और विमानन क्षेत्र में सुधार के लिए ही यह विधेयक लाया गया है। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों के बीच उड़ानों को शुरू किया जाए।

राष्ट्रीय जनता दल के सांसद अभय कुमार सिन्हा ने कहा कि पूर्णिया हवाई अड्डे को शुरू किया जाए। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि त्योहारों और शादियों के समय हवाई किराये में बेतहाशा बढ़ोतरी की जाती है, इस पर अंकुश लगना चाहिए। आम आदमी पार्टी के सांसद मलविंदर सिंह कंग ने मोहाली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ानों की संख्या बढ़ाने का आग्रह किया।

तमिलनाडु में आदि त्योहार के होर्डिंग पर लगाई मिया खलीफा की तस्वीर, लोग हुए हैरान

कांचीपुरम। तमिलनाडु के कांचीपुरम में एक मंदिर के होर्डिंग पर पोर्न स्टार मिया खलीफा की तस्वीर दिखाई देने से इंटरनेट यूजर्स हैरान हैं। यह होर्डिंग आदि त्योहार के मौके पर लगाया गया है, जो तमिलनाडु में एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो वर्षा और नदियों की पूजा के लिए मनाया जाता है। बता दें कि आदि त्योहार तमिलनाडु में एक भव्य तरीके से मनाया जाता है, खासकर मां अम्मन (पार्वती) के मंदिरों में। यह कई दिनों तक चलता है, इसमें लोग मां अम्मन की पूजा-अर्चना करते हैं, भजन-कीर्तन करते हैं, और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। यह त्योहार तमिलनाडु की संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लोगों को एकता और उत्साह के साथ जोड़ता है।

इस त्योहार पर लोग नदियों के किनारे पूजा-पाठ करते हैं और अपनी सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं। कुरुविमलाई में नागाथम्मन और सेल्लियम्मन मंदिरों में आदि त्योहार को भव्य तरीके से मनाने के लिए बड़े-बड़े आयोजन करने की योजना बनाई गई थी। इसमें रंगीन लाइट्स, होर्डिंग्स लगाना और लोगों को आमंत्रित करना शामिल था।

इस बीच एक होर्डिंग ने सभी का ध्यान खींचा, जिसमें मिया खलीफा की तस्वीर छपी हुई थी। यह होर्डिंग देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मिया खलीफा की तस्वीर का इस त्योहार से कोई संबंध नहीं है। ऐसे में कांचीपुरम में एक मंदिर के होर्डिंग पर उनकी तस्वीर दिखाई देना लोगों को हैरान कर रहा है। मिया खलीफा की तस्वीर को इस तरह एडिट किया गया कि ऐसा लगे कि वह 'पाल कुदम' लिए हुए हैं। 'पाल कुदम' दक्षिण में दूध से भरे बर्तन को कहते हैं, जिसे त्योहार के दौरान देवताओं को अर्पित किया जाता है। यह पारंपरिक प्रसाद का हिस्सा है।

तमिलनाडु सुपरफास्ट एक्सप्रेस की वर्षगांठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई सेन्ट्रल से नई दिल्ली तक चलने वाली ट्रेन नं. 12621/22 तमिलनाडु एक्सप्रेस की 48वीं वर्षगांठ 7 अगस्त को मनाई गई। इस सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन सेवा ने वर्ष 1976 में इसी दिन अपनी पहली यात्रा शुरू की थी, जिसने दक्षिणी और उत्तरी भारत के बीच संपर्क में क्रांति ला दी थी। पिछले कुछ वर्षों में, तमिलनाडु एक्सप्रेस आराम, सुविधा और विश्वसनीयता का पर्याय बन गई है, जो 10 रेलवे स्टेशनों से होकर 2,182 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इसकी विशिष्ट नीली

और सफेद रंग की सजावट ने इसे भारतीय रेलवे की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधित्व बना दिया है।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में, बुधवार को रात्रि 10 बजे ट्रेन के नई दिल्ली के लिए

प्रस्थान से पहले डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक समारोह आयोजित किया गया। चेन्नई डिवीजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के स्टेशन निदेशक, अधिकारी, कर्मचारी और 40 से अधिक रेल प्रशंसक और यात्री इस उत्सव में शामिल हुए।

रेल प्रशंसकों द्वारा लाया गया केक काटा गया और उपस्थित लोगों और यात्रियों को टॉफियाँ वितरित की गईं। रेल उत्साही लोगों ने स्टेशन से बाहर निकलते ही ट्रेन को भावभीनी विदाई दी, और अपनी 48वीं वर्षगांठ पर सेवा के अविश्वसनीय वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। इस प्रतिष्ठित ट्रेन ने लाखों यात्रियों को सुरक्षित और समय पर पहुँचाया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला है।

रेलवे अधिकारियों, रेल प्रशंसकों और यात्रियों द्वारा इसकी विरासत का उत्साहपूर्वक जश्न मनाया जाता है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

चेन्नई आंचलिक कार्यालय
द्वितीय तल, बड़ौदा प्राइड,
41, लुज़ चर्च रोड, मायलापोर,
चेन्नई - 600 004 फोन : 044-2345 4373

निविदा सूचना

बैंक ऑफ बड़ौदा, चेन्नई अंचल अपने चेन्नई अंचल की विभिन्न शाखाओं, करेंसी चेस्टों/कार्यालयों में सीसीटीवी और एकीकृत अलार्म प्रणाली की नई आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (एसआईटीसी) और मौजूदा सीसीटीवी और अलार्म प्रणालियों (हाइब्रिड /फायर/ स्टैंडअलोन) के वार्षिक रखरखाव के लिए सेवा प्रदाताओं को पैनल में शामिल करने और दर अनुबंध प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से मुहरबंद और सुपरस्क्राइब्ड निविदाएं आमंत्रित करता है।

अधिक जानकारी और आरएफपी के लिए कृपया हमारे बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.co.in (टेंडर सेक्शन) पर जाएं।

इस निविदा में कोई भी शुद्धिपत्र/संशोधन केवल बैंक की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा तथा अलग से कोई कागजी अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी।

बोलियां जमा कराने की अंतिम तिथि :
30.08.2024 को 15:00 बजे तक है।

-ह.-
आंचलिक प्रमुख,
बैंक ऑफ बड़ौदा,
चेन्नई अंचल

स्थान : चेन्नई
दिनांक: 09.08.2024

लूणी नदी में आया पानी, लोगों ने चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/जैसलमेर। राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण एक प्रमुख नदी 'लूणी' के लबालब होने से स्थानीय लोगों में उत्साह है और उन्होंने नदी की पूजा कर इसकी खुशी मनाई। स्थानीय लोगों के अनुसार पांच साल में दूसरी बार है जब अजमेर से निकलने वाली नदी ने बाड़मेर में उफान दिखाया है। जैसे ही नदी में पानी आया, कई जगहों पर लोगों ने उसे चुनरी ओढ़ाकर और पूजा-अर्चना करके स्वागत किया।

दूसरी ओर, जैसलमेर के सोनार किले की दीवार का एक हिस्सा पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण ढह गया है, जिससे किले में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लूणी नदी को राजस्थान की गंगा या 'मरू गंगा' के नाम से भी जाना जाता है। यह अजमेर में अरावली पर्वतमाला की नाग पहाड़ी से निकलती है और गुजरात के कच्छ के रण में मिलने से पहले राजस्थान के नौ जिलों से गुजरती है।

एक स्थानीय विशेषज्ञ के अनुसार मौजूदा हालात में नदी का पानी भारी बारिश के बावजूद बाड़मेर तक नहीं पहुंच पाता है। लेकिन बुधवार को नदी के पानी ने बाड़मेर जिले के समदड़ी क्षेत्र में प्रवेश किया, तो सैकड़ों ग्रामीण बहती नदी का स्वागत करने के लिए इकट्ठा हो गए। महिलाओं ने लोकगीत गाए, जबकि पुरुष ढोल की थाप पर उत्साहपूर्वक नाचने लगे। सभी ने सामूहिक रूप से नदी की पूजा की और उसे सांकेतिक चुनरी ओढ़ाई। लोगों का मानना है कि नदी का प्रवाह पूरे क्षेत्र के लिए बहुत शुभ है।

पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कैलाश चौधरी और अन्य लोगों ने हाथ में 'चुनरी' ली और पूजा की। कुछ अन्य स्थानों पर भी इसी तरह के दृश्य देखे गए, जहां लोगों ने मंत्रोच्चार के बीच नदी की पूजा की। विशेषज्ञों के अनुसार लोगों का यह उत्साह एक तरह से रेगिस्तानी इलाके में पानी के महत्व को रेखांकित करता है, जहां लोगों को सीमित पानी के साथ रहना पड़ता है और गर्मी के मौसम में पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय ग्रामीण गोपाराम ने कहा कि पिछले साल भी पानी आया था, लेकिन वह सब बर्बाद हो गया । गोपाराम ने कहा, अगर इस पानी को बचाने या संग्रहित करने की योजना बनाई जाती है तो यह किसानों के लिए वरदान साबित हो सकता है। वैसे यह प्रवाह आसपास के क्षेत्र में भूमिगत जल स्तर को भी बढ़ाएगा, जो पानी की कमी और औद्योगिक अपशिष्ट से तबाह हो चुकी खेती में मदद करेगा।

'इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चर हेरिटेज' की जोधपुर शाखा के संयोजक महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि लूणी नदी का इस क्षेत्र में लंबे समय से बहुत बड़ा प्राकृतिक और सांस्कृतिक महत्व रहा है। उन्होंने कहा, लेकिन लगभग एक दशक से अनदेखी समेत विभिन्न कारकों के चलते नदी के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि नदी गुजरात के कच्छ के रण में समाप्त होने तक लगभग 495 किलोमीटर की यात्रा करती है।

तंवर ने कहा, इसमें से नदी राजस्थान में अजमेर, नागौर, जोधपुर, पाली, जालौर और बाड़मेर जिलों से होकर 350 किलोमीटर की यात्रा करती है। लेकिन आज यह मुश्किल से बाड़मेर तक पहुंच पाती है और वह भी भारी बारिश के दौरान। पिछले पांच दिनों में नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हुई बारिश के कारण, नदी वर्तमान में अपनी पूरी क्षमता से बह रही है। वैसे पिछले साल भी नदी में पानी था, लेकिन प्रवाह और मात्रा कम थी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई छोटी नदियां लूणी नदी में मिलती हैं।

इस बीच, जैसलमेर जिले में भारी बारिश के कारण मंगलवार को सोनार किले का एक हिस्सा ढह गया। हालांकि, कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। नगर परिषद के आयुक्त लाजपाल सिंह ने कहा दीवार का एक छोटा हिस्सा ही गिरा है, लेकिन एहतियात के तौर पर हमने रोड पर एक तरफ आवाजाही रोक दी है, ताकि सड़क पर पत्थर गिरने की स्थिति में किसी को चोट न पहुंचे।

सिंह ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है और दीवार की मरम्मत का काम उन्हीं का है, क्योंकि किले का रखरखाव एएसआई के अधिकार क्षेत्र में आता है। सोनार किला यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। इस किले में कई परिवार रहते हैं और यह दुनिया भर से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है।

राजस्थान में अच्छी बरसात से 116 बांध हुए लबालब

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में मानसून की अच्छी बरसात का दौर जारी रहने से राज्य के बांधों में पानी की अच्छी आवक आने से अब तक 116 बांध लबालब हो चुके हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार राज्य के 689 वर्षामापक स्टेशनों पर गत एक जून से अब तक होने वाली सामान्य वर्षा 252.14 मिलीमीटर के विरुद्ध वास्तविक वर्षा 359.83 मिलीमीटर दर्ज की गई जो सामान्य से 42.71 प्रतिशत अधिक है। अच्छी बरसात के कारण आठ अगस्त को आठ बांध लबालब हो गए। इससे अब तक पूर्ण रुप से भर चुके बांधों की संख्या 116 पहुंच गई। प्रदेश में छोटे बड़े 691 बांधों की पूर्ण भराव क्षमता 12900.82 एमक्यूएम के विरुद्ध 497 बांधों में 6681.38 एमक्यूएम पानी उपलब्ध है जो भराव क्षमता का 51.79 प्रतिशत है। इन बांधों में गत 15 जून से आठ अगस्त तक 2481.61 एमक्यूएम पानी की आवक हुई जो बांधों की क्षमता की 19.24 प्रतिशत है।

राज्य के 22 वृह्द बांधों में 8104.66 एमक्यूएम भराव क्षमता के मुकाबले 4825.77 एमक्यूएम पानी है जो भराव क्षमता का 59,54 प्रतिशत है। इसी तरह राज्य के 669 मध्यम एवं लघु बांधो में 1855.61 एमक्यूएम पानी उपलब्ध है जो उनकी भराव क्षमता 4796.16 एमक्यूएम का 38.69 प्रतिशत है। राज्य में वर्षा के मद्देनजर 50 जिलों में राजस्व विभाग द्वारा 48 बाढ़ नियंत्रण कक्ष एवं जल संसाधन विभाग द्वारा 35 बाढ़ नियंत्रण कक्षों सहित कुल 83 बाढ़ नियंत्रण कक्षों का संचालन किया जा रहा है।

भारी बारिश का दौर जारी, धौलपुर में 200 मिलीमीटर बरसात

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के अनेक इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में धौलपुर में सबसे अधिक 200 मिलीमीटर बारिश हुई। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के 24 घंटों के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर तथा पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ वर्षा हुई। इसी दौरान दौसा ,अलवर, झुंझुनू, सवाई माधोपुर में भारी वर्षा तथा धौलपुर ,करौली एवं भरतपुर जिले में अति भारी वर्षा दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश धौलपुर में हुई, जो 200 मिलीमीटर है। इसी तरह भरतपुर के नदबई में 15 सेंटीमीटर, धौलपुर के बाड़ी में 15 सेमी., करौली में 14 सेमी.,दौसा के महुआ में नौ सेमी., अलवर के कठूमर में नौ सेमी., झुंझुनू के पिलानी में आठ सेमी. बारिश हुई। राज्य के गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सवाई माधोपुर, जयपुर, बारां, सीकर व दौसा जिले में भी इस दौरान अनेक जगह पर दो से लेकर सात सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी जयपुर में कई दिन से लगातार बादल छाये हुए हैं। बृहस्पतिवार सुबह से अनेक इलाकों में रुक-रुक कर बूंदाबांदी हो रही है। मौसम केंद्र के अनुसार पूर्वी राजस्थान के अनेक स्थानों पर मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश का दौर आगामी पांच-सात दिन जारी रहने की प्रबल संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश भी दर्ज होने की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में नौ से 13 अगस्त तक पुनः मानसून सक्रिय होने तथा अनेक स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है।

भाजपा विधायक अमृत लाल मीणा का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर की सलूम्बर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अमृत लाल मीणा का बुधवार रात हृदयाघात से निधन हो गया। वह 65 वर्ष के थे। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ,पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित तमाम नेताओं ने मीणा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पार्टी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सीने में दर्द होने के बाद मीणा को उदयपुर के एमबी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार रात उनका निधन हो गया। मीणा 2013 से तीन बार विधायक रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायक के निधन पर शोक व्यक्त किया।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अत्यन्त दुःखद! सलूंबर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अमृत लाल मीणा का हृदयाघात से निधन के समाचार से स्तब्ध हूं। यह भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री के बृहस्पतिवार के सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। शर्मा सलूम्बर जाकर मीणा को श्रद्धांजलि देंगे।

मीणा के निधन से राज्य की 200 सीटों वाली विधानसभा में अब छह सीटें खाली हो गईं। इस समय राज्य विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के 114 व कांग्रेस के 66 विधायक हैं। इसके अलावा भारत आदिवासी पार्टी के तीन, बहुजन समाज पार्टी के दो व राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है। निर्दलीय विधायकों की संख्या आठ है।

'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत घर-घर में फहराएं तिरंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेश में उत्सव का माहौल बने और प्रदेशवासियों में गर्व की भावना का संचार हो, इसके लिए 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा अभियान' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अभियान को पहले से और बेहतर रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।

पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित 'हर घर तिरंगा अभियान' की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रारम्भ हुआ 'हर घर तिरंगा अभियान' प्रत्येक देशवासी को देश के प्रति अपने प्रेम को दर्शाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत प्रदेश भर में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़ एवं मैराथन, तिरंगा कॉन्सर्टर्स, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्लेज, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा ट्रिब्यूट एवं तिरंगा मेलों का आयोजन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अभियान की तैयारियों की नियमित मोनिटरिंग करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभियान के तहत संभाग से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश में हर घर, हर सरकारी दफ्तर, हर गली, हर नुक्कड़ तक तिरंगा अपनी शान में लहराए, इसके लिए सम्बंधित अधिकारी झंडों की पर्याप्त व्यवस्था को सुनिश्चित करें। पंत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मन की बात में इस अभियान को तिरंगे की शान में एक शानदार उत्सव बताते हुए इसे जन-जन को एक दूसरे से जोड़ने का माध्यम बताया है। उन्होंने तिरंगा रैली में बाइक, कार एवं साइकिल के साथ ही ग्रामीण स्थानों पर ट्रेक्टर शामिल करने तथा कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था मौसम को ध्यान में रखकर करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रमों में विधार्थियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा सोशल मीडिया पर तिरंगा सेल्फी के लिए भी आमजन और युवाओं को जागरूक किया जाए। उन्होंने अभियान से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने के लिए वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये।

उन्होंने हरियालो राजस्थान अभियान के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हरियाली तीज पर प्रदेश में 2 करोड़ से अधिक पौधारोपण का कीर्तिमान स्थापित कर मिसाल पेश की है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव,ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव, सार्वजानिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में प्रभारी सचिव, संभागीय आयुक्त एवं समस्त जिला कलक्टर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हिस्सा लिया।

युवक की पीट-पीट कर हत्या, पांच आरोपी हिरासत में

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के वीरम नगर में बुधवार रात एक युवक की कथित तौर पर लाठियों से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली ने बृहस्पतिवार को बताया कि वीरम नगर में इमाम खान (45) का अपने पड़ोस की एक महिला के साथ अवैध संबंध था और बुधवार देर रात वह उससे (महिला से) मिलने घर गया था। उन्होंने बताया कि महिला के परिजनों ने उसे देख लिया था और उस पर लाठियों से हमला कर दिया जिससे उसकी (इमाम की) मौत हो गई। अली ने बताया कि इमाम के भाई ने इस संबंध में दस लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है जिसके बाद पांच आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि संबंधित महिला के पति की कुछ समय पूर्व मौत हो गई थी। लखावत के मुताबिक दो बच्चे का पिता इमाम ट्रक चालक था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर संत समाज चिंतित

भीलवाड़ा । बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से वहां रह रहे हिंदुओं पर हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसको लेकर भारत में संत समाज काफी चिंतित है। भीलवाड़ा के हरिशेवा उदासीन आश्रम में संत समाज के लोगों ने बांग्लादेश के हालातों को लेकर एक बैठक की। उन्होंने वहां रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा की मांग को लेकर शुक्रवार को व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की है। हरिशेवा धाम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने कहा, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ रहा है। इसलिए संत व हिंदू संगठनों ने 9 अगस्त शुक्रवार को दोपहर 12 बजे तक व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने का आह्वान किया है।

महामंडलेश्वर ने कहा, भारत एक सनातन और हिंदू देश है। इसलिए बांग्लादेश में हिंसा के शिकार हो रहे हिंदुओं को बचाकर लाना हमारा दायित्व है। अगर भारत में रोहिंग्या या बांग्लादेशी शरणार्थियों का विरोध हो रहा है तो वह सही है, क्योंकि दुनिया में कई मुस्लिम देश हैं। लेकिन, भारत एकलौता हिंदू राष्ट्र है।

मनोचिकित्सा सेवाओं को बनाया जाएगा और सुदृढ़ : शुभ्रा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल से संबद्ध मनोचिकित्सा केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। इसके लिए आईटी एवं तकनीक आधारित सेवाओं का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, यहां प्रस्तावित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण कार्य भी शीघ्र शुरू किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने गुरूवार को मनोचिकित्सा केंद्र, जयपुर के निरीक्षण एवं यहां आरएमआरएस की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश में मनोचिकित्सा का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाए, ताकि रोगियों को यहां सुगमतापूर्वक उपचार मिले।

श्रीमती सिंह ने अस्पताल में इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने, हर मरीज की आभा आईडी बनाए जाने तथा सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में बनाए गए रामाश्रय वार्डों के साथ समन्वय कर यहां भी जीरियाट्रिक वार्ड का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ मनोचिकित्सा केंद्र को रैफरल यूनिट के रूप में विकसित करने पर बल दिया, ताकि यहां मौजूद संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अस्पताल में संचालित टेलीमानस हैल्पलाइन सेंटर का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि इस सेवा का एक केंद्र कोटा में संचालित किए जाने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जाए, ताकि वहां अध्ययनरत युवाओं को तनाव के पलों में समुचित परामर्श मिल सके। उन्होंने कहा कि टेलीमानस हैल्पलाइन सेवा एवं मनोचिकित्सा संबंधी गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र की स्थापना करने तथा रोगियों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए पीपीपी मोड पर कैफेटेरिया संचालित किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान अस्पताल परिसर में टॉयलेटस की मरम्मत एवं तात्कालिक आवश्यकता से संबंधित अन्य मेंटीनेंस कार्यों के लिए आरएमआरएस से राशि का उपयोग लेने की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही, मानव संसाधन सहित अन्य अति आवश्यक प्रकृति के कार्यों के लिए भी नियमानुसार आरएमआरएस की राशि का सदुपयोग करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. गोरधनलाल मीणा, मनोचिकित्सा केंद्र के अधीक्षक डॉ. ललित बत्रा सहित आरएमआरएस के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

माइनिंग विभाग के कार्यालयों व खनन क्षेत्रों में 3 लाख 75 हजार से अधिक पौधारोपण : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माइंस व भू-विज्ञान विभाग द्वारा खनन क्षेत्रों व विभागीय कार्यालयों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण पर बल देते हुए 3 लाख 75 हजार से अधिक पौधारोपण करवाया जा चुका है। विभाग द्वारा अपने स्तर के साथ ही माइनिंग लीज धारकों से समन्वय बनाते हुए करीब पांच लाख पौधारोपण करवाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन व मार्गदर्शन में प्रदेश में माइनिंग सेक्टर में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर पौधारोपण का कार्यक्रम हाथ में लिया गया है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा खनिज एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी लाने, अवैध खनन पर कारगर रोक, वैध खनन को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक माइनिंग प्लाट तैयार कर ऑक्शन करने के साथ ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण पर जोर दिया जाता रहा है। शर्मा के मार्गदर्शन में माइंस विभाग मेजर मिनरल ऑक्शन से लेकर रेवेन्यू अर्जन तक प्रभावी भूमिका निभा रहा है।

आरंभिक आंकड़ों के अनुसार माइंस विभाग के 46 कार्यालयों द्वारा 2 लाख 66 हजार 297 पौधे लगवाये जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिकएमई जयपुर के कार्यक्षेत्र में करीब 20 हजार पौधारोपण करवाया गया है। 10 हजार से अधिक पौधारोपण वाले कार्यालयों में एएमई निम्बाहेड़ा में 18207, एमई बांसवाड़ा में 17230, राजसमंद प्रथम में 16975, सोजत में 16151, मकराना में 15500, बूंदी प्रथम व द्वितीय में 15000, सिरोही में 13900, राजसमंद प्रथम में 11420, आमेट में 10802 और उदयपुर में 10000 पौधारोपण किया गया है। इसके साथ ही विभाग द्वारा समूचे प्रदेश में पौधारोपण अभियान जारी है। राजस्थान स्टेट गैस द्वारा कोटा, नीमराणा व जयपुर में करीब एक हजार पौधे वितरित किये गये हैं। राजस्थान माइंस एवं मिनरल्स द्वारा 17000 पौधे लगवाये जा चुके हैं।

अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देकर हासिल करेंगे किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देकर प्रदेश के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मात्र 7 माह की अल्पावधि में कुसुम सी योजना में 4 हजार 386 मेगावाट के प्रोजेक्टों के एलओआई जारी कर दिए हैं। इन अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को धरातल पर मिशन मोड में क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के ऊर्जा उपक्रमों की मजबूत साझेदारी से राजस्थान जल्द ही ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि अन्य राज्यों को बिजली उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नागर गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राजस्थान अक्षय ऊर्जा बिजनेस प्रमोशन समिट-2024 में अक्षय ऊर्जा से सम्बंधित हितधारकों (स्टेक होल्डर्स) को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आरवीयूएन तथा गेल इंडिया के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए। इस एमओयू के माध्यम से गेल इंडिया धौलपुर में स्थापित 330 मेगावाट व रामगढ़ में स्थापित 270.5 मेगावाट के गैस आधारित बिजली संयंत्रों को कुशल एवं उपयुक्त क्षमता पर संचालन के लिए संयुक्त उद्यम के माध्यम से हस्तांतरित करने की संभावनाओं को तलाशने के साथ ही पर्याप्त मात्रा में उचित दर पर गैस की सुनिश्चित आपूर्ति करेगा। साथ ही, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में 750 मेगावाट सौर ऊर्जा और 250 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित हो सकेंगी। इसके माध्यम से 4200 करोड़ रूपए का निवेश होगा। गेल इंडिया की तरफ से कंपनी के कार्यकारी निदेशक सुमित किशोर एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी ने हस्ताक्षर किये।

प. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का बृहस्पतिवार को यहां स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे।

भट्टाचार्य को कम्युनिस्ट विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगीकरण के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक दिग्गज नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य ने अपने राज्य में औद्योगीकरण के लिए पूंजीवादियों को लुभाने के वास्ते अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता तक की परवाह नहीं की थी। बेदाग छवि वाले भट्टाचार्य को 2011 में राज्य में 34 साल के वामपंथी शासन के पतन के लिए भी याद रखा जाएगा। भट्टाचार्य के परिवार में उनकी पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं। हाल के वर्षों में अपने खराब स्वास्थ्य के बावजूद, भट्टाचार्य बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में एक सम्मानित व्यक्ति बने रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भट्टाचार्य के निधन पर शोक जताया और कहा कि वह एक ऐसे राजनीतिक दिग्गज थे जिन्होंने प्रतिबद्धता के साथ राज्य की सेवा की। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन से दुखी हूं। वह एक राजनीतिक दिग्गज थे जिन्होंने प्रतिबद्धता के साथ राज्य की सेवा की। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।'' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुद्धदेव भट्टाचार्य

के निधन पर शोक व्यक्त किया।

बनर्जी ने कहा कि वह भट्टाचार्य के निधन से 'स्तब्ध और दुखी' हैं।

बनर्जी ने 'एक्स' पर कहा, ''पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं। मैं उन्हें पिछले कई दशकों से जानती थी और पिछले कुछ वर्षों में जब वह बीमार थे और घर पर थे तब मैंने उनसे कई बार मुलाकात की थी। दुख की इस घड़ी में मीरा दी और सुचेतना के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।''

भट्टाचार्य साल 2011 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस से हार गये थे और राज्य में माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे का 34 साल का शासन खत्म हो गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भट्टाचार्य के निधन पर दुख जताया और सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को याद किया।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्होंने पांच दशक से अधिक लंबे राजनीतिक करियर में लोगों की सेवा की। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थना उनके परिवार और साथियों के साथ हैं।''

भट्टाचार्य का निधन सुबह साढ़े आठ बजे पाम एवेन्यू स्थित उनके दो कमरों वाले सरकारी फ्लैट में हुआ, जहां वह मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान और उसके बाद भी रहे थे।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने भट्टाचार्य के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि माकपा नेता ने लोगों से सम्मान और प्यार अर्जित किया। उन्होंने भट्टाचार्य को अन्य राजनीतिक नेताओं के लिए अनुकरणीय आदर्श बताया।

राजभवन की ओर से जारी एक बयान में राज्यपाल ने कहा, ''बुद्धदेव एक ऐसे नेता थे जिन्होंने अपने सादा जीवन, उच्च विचार और साहित्य एवं संस्कृति के प्रति लगाव से समाज के सभी वर्गों के लोगों का प्यार और सम्मान हासिल किया है।''

विपक्ष ने निजी निवेश, विनिर्माण, लोगों की आय में कमी को लेकर सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष ने बृहस्पतिवार को बजट में अर्थवयवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक चार मूलभूत मुद्दों की सुस्त रफ्तार पर चिंता जताते हुए सरकार से इसके समाधान की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया।

उच्च सदन में वित्त विधेयक 2024-25 और जम्मू कश्मीर से संबंधित वित्त विधेयक पर संयुक्त चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस के जयराम रमेश ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में निजी निवेश, विनिर्माण, निजी खपत और लोगों की आय में सुस्ती का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके बिना भारतीय अर्थव्यवस्था फल-फूल नहीं सकती। उन्होंने कहा, ''कर की दर में भारी कटौती, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और विभिन्न उपायों के बावजूद निजी निवेश अभी भी सुस्त क्यों है?''

रमेश ने कहा कि निजी निवेश आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है लेकिन अभी भी वह सकल घरेलू उत्पाद के 20 से 25 प्रतिशत पर स्थिर है। उन्होंने कहा, ''निजी निवेश के बिना भारतीय अर्थव्यवस्था फल-फूल नहीं सकती। हमें निजी निवेश बढ़ाना होगा। सवाल यह है कि निजी निवेश रफ्तार क्यों नहीं पकड़ रहा है। जीडीपी के अनुपात में यह अभी भी बहुत धीमी है। हम आठ प्रतिशत विकास लक्ष्य को तब तक प्राप्त नहीं कर सकते जब तक कि हम निजी निवेश को प्रोत्साहित नहीं करते।''

रमेश ने इसके लिए प्रतिकूल परिवेश को दोषी ठहराया और कहा कि लोग विदेश जा रहे हैं और विभिन्न देशों की नागरिकता मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके कारण जो भी हों, वित्त मंत्री को इस प्रश्न का समाधान करने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश में फंसे 17 भारतीय कामगार सकुशल स्वदेश वापस लाए गए : बीएसएफ

अगरतला/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि पड़ोसी देश में उथल-पुथल के बीच बांग्लादेश में फंसे 17 भारतीय सड़क निर्माण श्रमिकों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया गया है। इन लोगों को बांग्लादेश में अखौरा से किशोरगंज तक 52 किलोमीटर लंबी चार-लेन सड़क के निर्माण के लिए एएफसीओएनएस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नियुक्त किया गया था। उन्हें त्रिपुरा में अंतरराष्ट्रीय सीमा के माध्यम से वापस लाया गया। बांग्लादेश में अशांति के कारण कंपनी के कर्मचारी रामरेल स्थित अपने शिविर में फंसे हुए थे। बीएसएफ की त्रिपुरा स्थित यूनिट के एक प्रवक्ता ने कहा कि कुल 17 श्रमिक उस तरफ से एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) अखौरा की ओर आ रहे थे और बुधवार रात को उनके सुरक्षित आगमन की सुविधा के लिए बीएसएफ से अनुरोध किया गया था। बीएसएफ ने नोडल अधिकारी स्तर पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ 'तत्काल' संपर्क स्थापित किया।

कुछ एजेंसियां घाटी के जिलों में फिर से आफस्पा लगाने के लिए दबाव बना रहीं: मणिपुर के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि कुछ केंद्रीय एजेंसियां राज्य के घाटी के जिलों में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (आफस्पा) को फिर से लागू करने के लिए दबाव बना रही हैं।

विधानसभा में नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के सदस्य लीशियो कीशिंग के एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा, ''पिछले साल तीन मई से घाटी के जिलों में उभरती स्थिति के कारण, कुछ केंद्रीय एजेंसियां आफस्पा को फिर से लागू करने के लिए दबाव डाल रही हैं।'' उन्होंने कहा कि उनके साथ चर्चा के दौरान भी इन एजेंसियों ने तर्क दिया कि सामान्य कानून स्थिति का समाधान नहीं कर सकते और इसलिए घाटी के जिलों में आफस्पा बहाल किया जाना चाहिए।

सुझाव पर आपत्ति जताते हुए एन. बीरेन

सिंह ने कहा, ''हम पहाड़ी जिलों से आफस्पा हटाने की मांग कर रहे थे, लेकिन मुझसे इस बारे में सवाल किया गया कि क्या घाटी के जिलों में स्थिति को सामान्य कानूनों के तहत प्रबंधित किया जा सकता है।''

मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बताया कि उन्होंने एजेंसियों को आश्वासन दिया कि अशांति हालिया हिंसा की भावनात्मक प्रतिक्रियाओं का परिणाम है और वह धीरे-धीरे स्थिति से निपटेंगे। सिंह ने उम्मीद जताई कि नए आपराधिक कानून मणिपुर में उभरती स्थिति से निपटने में मदद करेंगे।

'आदिवासी' केवल शब्द नहीं, यह एक संस्कृति है: झारखंड के राज्यपाल

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'आदिवासी' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक संस्कृति है।

राज्यपाल 'रांची विमिंस कॉलेज' में विश्व आदिवासी दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा, ''आदिवासी सिर्फ एक शब्द नहीं है, यह हमारी संस्कृति है। अगर हम अपनी संस्कृति और परंपरा को भूल जाएंगे तो हम अपने समाज और देश को नुकसान पहुंचाएंगे। हमें अपनी संस्कृति को संरक्षित करने की जरूरत है।''

आदिवासी परंपरा की सराहना करते हुए गंगवार ने कहा, ''मुझे यहां पता चला कि आदिवासी समाज में लड़की की शादी में पैसे (दहेज) देने की प्रथा नहीं है। यह बहुत अच्छी परंपरा है और हमें यह समझना होगा कि इन अच्छी चीजों को कैसे अपनाया जाए।'' इससे पहले रांची विमिंस कॉलेज में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय प्राचीन काल से ही भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा, ''उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपराएं और रीति-रिवाज विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैं।'' राज्यपाल ने कहा कि राज्य की 3.28 करोड़ आबादी में आदिवासी समुदाय का योगदान लगभग 27 प्रतिशत है, इसके अलावा राज्य में 32 प्रकार की अनुसूचित जनजातियां हैं जिनमें आठ प्रकार के विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (पीवीटीजी) शामिल हैं।

खेतों में सोलर पैनल लगाने की योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा, सरकार निदान करे: हेमा मालिनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि खेती की जमीन पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा पैदा करने की योजना से किसानों को अभी अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है और सरकार को कृषि तथा किसानों के हित में इसका जल्द निदान करना चाहिए।

हेमा मालिनी ने लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाया और कहा कि सौर ऊर्जा पैदा करने के लिए अपनी जमीन पट्टे पर देने वाले किसानों को अभी अपेक्षित लाभ नहीं मिलता दिखाई दे रहा। उन्होंने कहा कि इसके पीछे सोलर प्लेट जमीन पर लगाने की प्रणाली

एक वजह हो सकती है जिससे फसल भी सही से नहीं उग पाती।

भाजपा सांसद ने कहा, ''यदि खेतों में खंभा लगाकर उस पर सोलर प्लेट लगाई जाए तो उससे किसानों को लाभ मिलेगा। सरकार से अनुरोध है कि किसानों के हित में इसका जल्द निदान किया जाए।'' शून्यकाल में ही भाजपा सांसद मंजू शर्मा ने अपने संसदीय क्षेत्र जयपुर में हैदराबाद और बेंगलूरु की तरह आईटी हब विकसित करने की मांग सरकार से की।

भुवनेश्वर में वाहन खड़ा करने के विवाद में दो महिलाओं की हत्या

भुवनेश्वर/भाषा। भुवनेश्वर के एक 'अपार्टमेंट' में बुधवार की रात वाहन खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में दो महिलाओं की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार वारदात एयरफील्ड पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणी प्लाजा में हुई। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की पहचान रश्मि रंजन सेठी (28) और उनकी मित्र जुलू सेठी (35) के रूप में हुई है। भुवनेश्वर के उपायुक्त (डीसीपी) प्रतीक सिंह के अनुसार, वाहन की 'पार्किंग' को लेकर हुआ विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि चाकू से दोनों पर वार किया गया। स्थानीय लोगों ने दोनों को तुरंत कैपिटल अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि दोनों घायलों में से एक की रास्ते में जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। डीसीपी ने कहा, ''हमने अपराध में शामिल कुछ लोगों की पहचान कर ली है। हमारी एयरफील्ड पुलिस टीम ने संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए अभियान शुरू कर दिया है।''

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुसाले का भव्य स्वागत, प्रसिद्ध गणेश मंदिर में दर्शन किए

पुणे/भाषा। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। कुसाले ने पिछले हफ्ते 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहला ओलंपिक कांस्य पदक जीता था। सुबह पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पारंपरिक ढोल-ताशा की थाप के बीच लोगों ने कुसाले का स्वागत किया। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कुसाले ने इसके बाद शहर के बीचों-बीच स्थित प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की। शहर के बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति खेल परिसर में शूटिंग रेंज में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। कुसाले के कांस्य पदक जीतने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें एक करोड़ रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की। मध्य रेलवे ने भी कुसाले को पदोन्नत कर विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त किया है। वह 2015 में मध्य रेलवे के पुणे डिवीजन में 'कमर्शियल कम टिकट क्लर्क' के पद पर शामिल हुए थे। कुसाले ने इससे पहले 2023 में चीन में एशियाई खेलों में, 2022 में बाकू में हुए विश्व कप और 2021 में नई दिल्ली में स्वर्ण पदक जीते थे।

मनु भाकर भारत में करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेंगी: खेल मंत्री मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की दो कांस्य पदक जीतने की उपलब्धि युवाओं की एक पूरी पीढ़ी को इस खेल को अपनाने और गौरव हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

बाइस वर्षीय मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनीं। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल किया।

मनु ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज भी बनीं। मांडविया ने 'एक्स' पर लिखा, ''पेरिस ओलंपिक 2024 में दो कांस्य पदक जीत कर स्वदेश लौटीं देश की बेटी मनु भाकर से आज मिलकर उन्हें इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं।'' उन्होंने लिखा, ''मनु भाकर की यह सफलता भारतीय खेल जगत के करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेगी। पूरे देश को उन पर गर्व है।'' खेल मंत्री ने मनु, उनके पिता राम किशन और निजी कोच जसपाल राणा के साथ बातचीत की तस्वीरें भी साझा कीं। मनु ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद बुधवार को भारत लौटीं जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। सैकड़ों समर्थक लगातार हो रही बारिश के बावजूद इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए मौजूद थे।

वह रविवार को समापन समारोह में भाग लेने के लिए शनिवार को पेरिस वापस जाएंगी जहां वह भारत की ध्वजवाहकों में से एक होंगी।

'टॉप्स' योजना के तहत 1,050 खिलाड़ियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण : खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली/भाषा। युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा

कि सरकार वर्तमान में 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टॉप्स) के तहत चुने गए 1,050 एथलीटों को तैयार कर रही है, और उनके प्रशिक्षण से लेकर साजोसामान और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के लिए सभी खर्च वहन कर रही है।

मांडविया ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सरकार ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें विकसित करने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अवसर प्रदान करने के लिए तीन पहल की हैं।

उन्होंने कहा कि 'खेलो इंडिया' के तहत, सरकार ने प्रत्येक जिले में एक केंद्र बनाया है। इसके तहत राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 14 साल से अधिक उम्र के स्कूली और कॉलेज के छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एक 'कीर्ति कार्यक्रम' (खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन) है, जो स्कूलों और कॉलेजों से प्रतिभाओं की पहचान करता है।

बिहार के खेल मंत्री ने विनेश फोगाट को 'बिहार की बेटी' कहा, बाद में गलती सुधारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को सार्वजनिक तौर पर 'बिहार की बेटी' करार देने के बाद बृहस्पतिवार को इसमें सुधार करते हुए स्पष्ट किया कि वे ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं।

मंत्री ने बुधवार को मुजफ्फरपुर में संवाददाताओं से कहा, ''उनको (फोगाट) अयोग्य घोषित किया जाना बहुत निराशाजनक है...यह देश के साथ-साथ बिहार के लिए भी एक झटका है। वह बिहार की बेटी हैं...उन्हें बिल्कुल भी चिंता नहीं करनी चाहिए...प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री

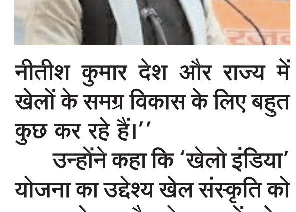

नीतीश कुमार देश और राज्य में खेलों के समग्र विकास के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि 'खेलो इंडिया' योजना का उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और देशभर में खेल उत्कृष्टता को हासिल करना है। मंत्री ने यह टिप्पणी विनेश फोगाट को ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने से जुड़े पत्रकारों के सवाल पर की थी। मंत्री को संभवतः यह जानकारी नहीं थी कि 29 वर्षीय पहलवान भिवानी (हरियाणा) की मूल निवासी है।

विनेश आप योद्धा की सच्ची भावना का प्रतीक हैं : बिंद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बृहस्पतिवार को पहलवान विनेश फोगाट की सराहना करते हुए कहा कि उनकी लड़ाई उनके दिल को छू गई और वह 'योद्धा की सच्ची भावना' की प्रतीक हैं।

ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं 29 वर्षीय विनेश को 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण 50 किग्रा स्वर्ण पदक मुकाबले से अयोग्य घोषित कर दिया गया था जिसके बाद उन्होंने अचानक संन्यास लेने की घोषणा कर दी। बिंद्रा ने उनसे मुलाकात की कुछ तस्वीरों के साथ 'एक्स' पर लिखा, ''ऐसा कहा जाता है कि खेल मानवीय इच्छाशक्ति का उत्सव है। मैंने अपने करियर में कई बार यह सच होते देखा है लेकिन आज से ज्यादा कभी भी यह

सच नहीं हुआ। जब मैं अपने चारों ओर देखता हूं, तो मुझे एक राष्ट्र और उसके लोग आपके दृढ़ संकल्प का जश्न मनाते हुए दिखाई देते हैं।'' उन्होंने लिखा, ''आप एक योद्धा हैं – मैट पर और मैट से बाहर भी। आपके माध्यम से हम सीख रहे हैं कि हार के बावजूद भी अपने अंदर की लड़ाई को कभी नहीं हारना क्या मायने रखता है। आप एक योद्धा की सच्ची भावना को मूर्त रूप देती हैं।''

एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता तीन बार की ओलंपियन विनेश ने अपना वजन 50 किग्रा के भीतर रखने के लिए कई तरह के उपाय किए जिसमें भूखे रहना, तरल पदार्थों से परहेज करना और पूरी रात जागकर पसीना बहाना शामिल था।

हालांकि वह वजन को भार वर्ग के दायरे में नहीं आ पाईं। अंत में उनके शरीर में पानी की कमी हो गई और उन्हें खेल गांव के एक पॉली क्लिनिक में भर्ती किया गया।

बिंद्रा ने अपनी पोस्ट में आगे कहा, ''सभी जीत एक जैसी नहीं होतीं। कुछ जीतें कैबिनेट में एक शानदार स्मारिका के रूप में समाप्त हो जाती हैं लेकिन जो अधिक मायने रखती हैं, वे हमारे बच्चों को बताई जाने वाली कहानियों में अपना रास्ता बना लेती हैं।'' उन्होंने कहा, ''और इस देश का हर बच्चा आपको चैंपियन के रूप में जानेगा। हर बच्चा आपके द्वारा दिखाए गए जज्बे के साथ जीवन का सामना करना चाहेगा। मैं इसके लिए आपको धन्यवाद करता हूं।''

विनेश ने ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ बुधवार को खेल पंचाट (कैस) में अपील की थी जिसमें मांग की गई है कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए। अभी इस पर फैसला होना बाकी है।

हरियाणा की इस पहलवान ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण के खिलाफ दिल्ली की सड़कों पर एक महीने से अधिक समय तक विरोध प्रदर्शन किया था जिन पर महिला पहलवानों ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

बबीता फोगाट ने चचेरी बहन विनेश से संन्यास के फैसले पर फिर विचार करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान बबीता फोगाट ने चचेरी बहन विनेश से आग्रह किया कि कुश्ती से संन्यास लेने के फैसले पर फिर से विचार करें। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा वर्ग की स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले वजन मापने के दौरान 100 ग्राम अधिक पाया गया जिससे उन्हें अयोग्य करार दिया गया।

विनेश का ओलंपिक सपना चकनाचूर हो गया जिसके बाद 29 वर्षीय इस पहलवान ने अपने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती करियर को अलविदा कह दिया और कहा कि अब उनमें इसे जारी रखने की ताकत नहीं है। पूर्व विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता बबीता ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''2012 में मैं भी एशियाई चैंपियनशिप में नहीं खेल पाई थी क्योंकि मेरा वजन 200 ग्राम अधिक था। ऐसे कई अन्य उदाहरण हैं जिसमें पहलवानों को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित किया गया है। पूरी दुनिया जानती है कि ऐसा कुश्ती के नियमों के कारण हुआ।'' बबीता ने कहा कि देश विनेश के कुश्ती को

अलविदा कहने के फैसले से दुखी है और उम्मीद है कि वह अपने फैसले पर फिर विचार करेंगी और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए ट्रेनिंग करेंगी। बबीता ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि वह अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगी और 2028 में स्वर्ण पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करेगी और अपनी मां और मेरे पिता का सपना पूरा करेगी। पिताजी (महावीर फोगाट) ने भी कहा है कि एक बार जब वह घर आएगी तो वह उसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने और फिर से मैट पर उतरने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे।''

सुविचार

आलस मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है और कड़ी मेहनत मनुष्य का प्रिय दोस्त है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐसा विघ्न फिर न आए

ओलंपिक में विभिन्न खेलों के मुकाबलों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना बहुत गर्व की बात होती है। जब कोई खिलाड़ी या टीम इसमें पदक जीतते हैं तो वह लम्हा इतिहास के उस सुनहरे अध्याय का हिस्सा बन जाता है, जिसे देशवासी दशकों तक याद करते हैं। जिन्होंने इन मुकाबलों में पदक जीते, वे निश्चित रूप से प्रतिभाशाली हैं। जो किसी कारणवश पदक जीतने से चंद कदम दूर रह गए, वे भी प्रतिभाशाली हैं। बस, कुछ बाधाओं ने उनका रास्ता रोक लिया। अगर वे भविष्य में बेहतर रणनीति और अधिक उत्साह के साथ मैदान में उतरेंगे तो जरूर जीतेंगे। बेशक जब भारतीय खिलाड़ियों को ओलंपिक में भाग लेने के लिए भेजा गया था तो उनसे काफी पदक जीतने की उम्मीदें थीं। हालांकि देश के खाते में उस अनुपात में पदक नहीं आए। हर खिलाड़ी ने अपने स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने की कोशिश की। अगर मुकाबले में पिछड़ गए तो निश्चित रूप से प्रयासों में कहीं कोई कमी रही होगी, लेकिन महिला पहलवान विनेश फोगाट के साथ जो हुआ, उससे देशवासियों की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने मुकाबले में जिस तरह शानदार आगाज किया और ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा, उससे रजत पदक तो पक्का लग रहा था। हालांकि उनसे उम्मीदें स्वर्ण पदक की थीं। जब यह खबर आई कि उन्हें 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण फाइनल से पहले अयोग्य ठहरा दिया गया है, तो ऐसा महसूस हुआ, गोया लहलहाती फसल पर ओले गिर गए।

यह घटनाक्रम बहुत हैरान कर देनेवाला है। इस कार्रवाई के लिए ओलंपिक खेलों के नियमों का हवाला दिया गया। सिर्फ़ 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को मुकाबले से वंचित कर देने से कई सवाल भी खड़े होते हैं। क्या जिन मुकाबलों में हमारे खिलाड़ियों का वजन बहुत अहमियत रखता है, वहां निगरानी करने के लिए विशेषज्ञ नहीं थे? जो खिलाड़ी ऐसे मुकाबलों में भाग लेते हैं, उनके लिए कोच, सलाहकार, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ और चिकित्सक समेत कई लोगों की टीम होती है। उन सबके रहते यह कैसे हो गया? वजन पर काबू रखने, खिलाड़ी को जरूरी सलाह देने, उस पर अमल करवाने जैसी सावधानियों की शुरुआत तो बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। सौ ग्राम वजन घटाना कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं है, बशर्ते समय पर्याप्त हो। ओलंपिक खेल जैसे मुकाबले से पहले, बहुत कम अवधि में तेजी से वजन घटाने की कोशिश के साथ कुछ जोखिम भी जुड़े होते हैं। बहरहाल, कहीं-न-कहीं चूक तो हुई है। विनेश एक अनुभवी पहलवान हैं। उन्हें इस मामले में बहुत सजग रहना चाहिए था। उन्हें स्वास्थ्य एवं फिटनेस संबंधी सेवा उपलब्ध कराने वाले विशेषज्ञों को भी कोई जोखिम नहीं लेना चाहिए था। खेलों में मामूली अंतर से हार-जीत का फैसला हो जाता है, इसलिए किसी भी मुकाबले से जुड़े नियमों की कहीं अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बात जब ओलंपिक की हो तो खास तौर पर सतर्कता बरतनी चाहिए थी। खिलाड़ियों को चाहिए कि वे अपने अभ्यास में जरूर पसीना बहाएं। उसके साथ नियमों का गंभीरता से अध्ययन भी करें। नियमावली के एक भी बिंदु का जाने-अनजाने में किया गया उल्लंघन बहुत बड़ा नुकसान करवा सकता है। कोई खिलाड़ी पूरी ताकत लगाने के बावजूद मुकाबले में हार जाए तो यह भी प्रशंसनीय है, चूंकि उसने अपनी ओर से तो पूरी कोशिश की थी। इसके उलट, अगर खिलाड़ी बहुत मजबूत स्थिति में है, उसके पदक जीतने की प्रबल संभावना है और बड़े मुकाबले से ठीक पहले उसे बाहर कर दिया जाए तो यह (अनुभव) सिद्धि प्राप्ति से पहले तपस्या में विघ्न आने जैसा है। अगली बार ऐसा विघ्न न आए, इसके लिए बहुत सावधानी के साथ मजबूत तैयारी होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान के सलूम्बर से भाजपा विधायक अमृत लाल मीणा जी के निधन से बहुत दुख हुआ है। वे पार्टी के एक कर्मठ कार्यकर्ता थे, जिन्होंने अपने क्षेत्र के विकास के साथ-साथ संगठन को मजबूत बनाने में भी बहुमूल्य योगदान दिया।

-नरेन्द्र मोदी

'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरुआत ने देश में एक नई क्रांति का आगाज किया था जिसने ब्रिटिश हुकूमत को हिलाकर रख दिया और अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाने पर मजबूर होना पड़ा। मैं भारत के सभी ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूं।

-अशोक गहलोत

विधानसभा में जवाबदेही की जगह 'माननीयों की मर्जी' जनता के मुद्दों को भटकाने का प्रयत्न, सरकार की असफलताओं पर पर्दा डालना एवं आसन की गरिमा का उपहास उड़ाना है। विधासनभा में किसी सदस्य द्वारा पूछा गया प्रश्न पूरे सदन का विषय होता है।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

परिवर्तनशील शिक्षा

वर्ष 1952 में अल्बर्ट आइंस्टीन प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी में अध्यापन कर रहे थे। एक दिन वे अपने सहायक के साथ कक्षा से लौट रहे थे। सहायक के हाथ में वे सभी प्रश्नपत्र थे जो उस दिन छात्रों को दिए गए थे। भौतिकी की कक्षा के छात्रों ने उन प्रश्नों को हल किया था। अध्यापक ने तनिक झिझक के साथ पूछा, 'माफ़ करें, क्या यह वही प्रश्नपत्र नहीं है जो आपने भौतिकी के छात्रों को पिछले साल दिया था?' इस पर अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा, 'हम्म! वही प्रश्न फिर से पूछे गए हैं।' सहायक ने फिर से सकुचाते हुए कहा, 'पर आप उन्हीं छात्रों को लगातार दो साल तक एक ही प्रश्नपत्र कैसे दे सकते हैं?' अल्बर्ट आइंस्टाइन ने उत्तर दिया, 'मैं ऐसा इसलिए कर सकता हूं क्योंकि अब जवाब बदल गए हैं। उस समय भौतिकी जगत में नई प्रगति, नई तकनीकों, सिद्धांतों और खोजों का दौर चल रहा था। रोज़ नए आविष्कार सामने आ रहे थे। जो जवाब एक साल पहले सही माने जाते थे, उनमें से बहुत सारे अब ग़लत हो चुके थे क्योंकि वह क्षेत्र तेज़ी से प्रगति कर रहा था। हमारी परिस्थिति भी यही है। हो सकता है कि आज के समय में उस उपाय या विचार का कोई मोल ही न रहा हो।

सामयिक

चीनी सामान से कब मोह होगा कम?

सुरेश हिन्दुस्थानी
मोबाइल 9770015780

भारतीय बाजारों में जिस प्रकार से चीनी वस्तुओं का आधिपत्य दिखाई दे रहा है, उससे यही लगता है कि देश में एक और भारत छोड़ो आंदोलन की महती आवश्यकता है। यह बात सही है कि आज देश में अंग्रेज नहीं हैं, लेकिन भारत छोड़ो आंदोलन के समय जिस देश भाव का प्रकटीकरण किया गया, आज भी वैसे ही देश भाव के प्रकटीकरण की आवश्यकता दिखाई देने लगी है। हम सभी चीनी वस्तुओं का त्याग करके चीन को सबक सिखा सकते हैं। यह समय की मांग भी है और देश को सुरक्षित करने का तरीका भी है। हम देश की सीमा पर जाकर राष्ट्र की सुरक्षा नहीं कर सकते तो चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करके सैनिकों का उत्साह वर्धन तो कर ही सकते हैं। तो क्यों न हम आज ही इस बात का संकल्प लें कि हम जितना भी और जैसे भी हो सकेगा, देश की रक्षा के लिए कुछ न कुछ अवश्य ही करेंगे।

भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए जिन महापुरुषों ने जिस स्वतंत्र भारत की कल्पना की थी, वर्तमान में वह कल्पना धूमिल होती दिखाई दे रही है। महात्मा गांधी ने सीधे तौर पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रति देश भाव के प्रकटीकरण करने की बात कही थी, पर क्या यह भाव हमारे विचारों में दिखाई देता है। कदाचित नहीं। वर्तमान में जो राजनीतिक दल महात्मा गांधी के नाम के सहारे जिन्दा हैं। उन राजनीतिक दलों के अंदर देश भाव का अंश दिखाई नहीं देता। देश में जितने भी महापुरुष हुए हैं, सभी ने देश भाव को जन जन में प्रवाहित किया। इसी के कारण ही अंग्रेज और अंग्रेजी मानसिकता के लोगों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। सभी महापुरुषों का एक ही ध्येय था कि कैसे भी हो देश में स्वदेशी भावना का विस्तार होना चाहिए, फिर चाहे हमारे दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं का मामला हो या फिर शिक्षा पद्धति का। सभी में स्वदेशी का भाव प्रकट होना चाहिए। वास्तव में देश धर्म क्या होता है, इसे जानना है तो हमें किसी सैनिक से पूछना चाहिए। वह यही जवाब देगा कि देश धर्म का मूल्य प्राण देकर भी नहीं चुकाया जा सकता। इसके लिए सुख सुविधाओं का त्याग करना पड़ेगा। सुविधाओं का त्याग करने वाला समाज ही अपनी और अपने समाज की रक्षा कर सकता है।

आज जाने -अनजाने हमारे घरों में स्वदेशी की जगह विदेशी वस्तुओं ने ले ली है। चीनी वस्तुएं हमारे घरों की शोभा बन रही हैं। जरा सोचिए कि जो देश हमारे देश पर आक्रमण करने की भूमिका में दिखाई दे रहा है, उसी देश का सामान हम अपने घरों में लाकर उसको महत्व दे रहे हैं। हम अपने घर में चीनी सामान को देखकर खुश हो रहे हैं और चीन हमसे ही कमाए गए पैसे के दम पर हमारे देश को आंख दिखा रहा है। वास्तव में देखा जाए तो वर्तमान में हम मतिभ्रम का शिकार हो गए हैं। विदेशी सामान की अच्छाई के बारे में कोई झूठा भी प्रचार कर दे तो हम उस पर विश्वास कर लेते हैं, लेकिन हमें अपने ऊपर विश्वास नहीं।

यह बात सत्य है कि भारत एक ऐसा देश है जहां विश्व को भी शिक्षा दी जा सकती है, लेकिन इन सबके लिए हमें अपने अंदर विश्वास जगाना होगा, तभी हम देश का भला कर सकते हैं। जनता अगर एक बार संकल्प करले तो वह दिन दूर नहीं, जब हम चीन को पछाड़ सकते हैं। आज चीन द्वारा निर्मित वस्तुओं का पूरी तरह से त्याग करने की आवश्यकता है। बहुत से लोग यह तर्क भी कर सकते हैं कि सरकार चीन की वस्तुओं पर रोक क्यों नहीं लगा देती? इसका एक ही

उत्तर है, जब जनता विरोध करेगी तो सरकार को भी बात माननी होगी।

हमें पहले इस बात का अध्ययन करना होगा कि हमारा देश गुलामी की जंजीरों में कैसे जकड़ा। इसका सीधा सा जवाब यही होगा कि हमारे देश में अंग्रेजों द्वारा संचालित की जाने वाली ईस्ट इंडिया कंपनी के उत्पादों को खरीदना प्रारंभ कर दिया। उससे स्वावलंबी भारत आर्थिक तौर से परावलंबी होता गया और देश की आर्थिक प्रगति पूरी तरह से अंग्रेजों पर निर्भर हो गई। इसके परिणामस्वरूप हम आर्थिक रूप से परतंत्र हो चुके थे। अब जरा सोचिए कि जब एक विदेशी कंपनी ने भारत को गुलाम बना दिया था, तब आज तो देश में हजारों विदेशी कंपनियां व्यापार कर रही हैं। देश किस दिशा की ओर जा रहा है। हम जानते हैं कि अंग्रेजों की परतंत्रता की जकड़न से मुक्त होने के लिए हमारे देश के महापुरूषों ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद किया। इस आंदोलन के मूल में अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर करना था, इसके साथ ही अंग्रेजियत को भी भारत से भगाने की संकल्पना भी इसमें समाहित थी। इस आंदोलन में जहां विदेशियों के प्रति देश के जनमानस में नकारात्मक भाव जाग्रत हुआ, वहीं स्वदेशी यानी देश भक्ति की भावना का प्रकटीकरण हुआ। इस आंदोलन के सफल होने के बाद आज यह अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है कि देश के नागरिकों में देश भाव कूट कूट कर भरा हुआ है, लेकिन आज उसे प्रकट करने की महती आवश्यकता है। ऐसे ही आंदोलनों के चलते देश भाव को प्रकट करने के लिए विदेशी वस्तुओं की होली जलाई जाती थी। इसके पीछे एक मात्र उद्देश्य यही था कि भारतीय जन स्वदेशी भाव को हमेशा जागृत रखें और अपने देश में निर्मित सामान का ही उपयोग करें। आज के वातावरण का अध्ययन करने से पता चलता है कि आज सैंकड़ों बहुराष्ट्रीय कंपनियां व्यापार के माध्यम से हमारे देश को लूट रहीं हैं। हम अनजाने में विदेशी वस्तुओं को खरीदकर अपने आपको आर्थिक गुलामी की ओर धकेल रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि देश में एक और भारत छोड़ो आंदोलन की आवश्यकता है। जैसा कि हम जानते हैं कि वर्तमान में भारतीय बाजार चीनी वस्तुओं से भरे पड़े हैं। उसे भारतीय लोग खरीद भी रहे हैं, लेकिन क्या हम जानते हैं कि इन वस्तुओं से प्राप्त आय का बहुत बड़ा भाग चीन को आर्थिक संपन्नता प्रदान कर रहा है। भारत के पैसे से जहां चीन आर्थिक समृद्धि प्राप्त कर रहा है, वहीं भारत कमजोर होता जा रहा है। यह सारा काम भारत की ऐसी जनता कर रही है, जो अपने आप को प्रबुद्ध कहती है। वर्तमान में हम सभी का एक ही उद्देश्य होना चाहिए, चीनी वस्तुएं भारत छोड़ो। इसके लिए जिस प्रकार से जनांदोलन खड़ा करके अंग्रेजों को देश से बाहर किया, उसी प्रकार से देशवासियों को चाहिए कि चीनी वस्तुओं का बहिष्कार कर उन्हें देश से बाहर करें।

विशेष

पौराणिक काल से ही होती रही है नागों की पूजा

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 9 अगस्त को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं। नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्मराजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

नजरिया

बांग्लादेश के हिन्दुओं को कौन पूछेगा?

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल 9219179431

समूचे बांग्लादेश में अराजकता और गुंडई का नंगा नाच हो रहा है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश में कट्टरपंथी उपद्रवी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं। बांग्लादेश में 1 करोड़ 31 लाख के करीब हिंदू हैं, उनके घरों और दुकानों को आग के हवाले किया जा रहा है। अराजक तत्व हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। हालात इतने खराब हो गए हैं कि वहां रहने वाले करीब 7 प्रतिशत हिंदू इन दिनों बेहद बुरे हालात में भय और आतंक के साये में हैं। वैसे तो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले कोई नई बात नहीं है। पहले भी हिंदुओं को यहां निशाना बनाया जाता रहा है। लेकिन इस बार हालात और भी अलग हैं। शेख हसीना सत्ता छोड़ चुकी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों का क्या होगा, यही चिंता सताने लगी है। बांग्लादेश में जारी अनिश्चितता और अराजकता के माहौल के बीच वहां हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा है। हिन्दुओं के मंदिर, घर और दुकानें प्रदर्शनकारी कुछ भी नहीं छोड़ रहे हैं। आताताયી कट्टरपंथी भीड़ ने यहां पर 64 जिलों में 44 हिन्दू मंदिरों में समेत हिंदुओं के घरों के साथ ही उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इतना ही नहीं अराजक तत्व उनका कीमती सामान भी लूट ले गए। वहां पर मंदिरों और गुरुद्वारों में तोड़फोड़ की जा रही है। शेख हसीना के सत्ता और देश छोड़ने के बाद से वहां हालात बदतर हो गए हैं। इतना ही नहीं हिन्दू परिवारों की महिलाओं लडकियों के साथ भी बेहद घिनौना दुर्व्यवहार किया जा रहा है।

बांग्लादेश के पंचगढ़, दिनाजपुर, बोगुरा, रंगपुर, शेरपुर किशोरगंज, सिराजगंज, मुगरा, नरैल, पश्चिम जशोर, पटुआखली, दक्षिण-पश्चिम खुलना, मध्य नरसिंगड़ी, सतखीरा, तंगैल,फेनी चटगांव, उत्तर-पश्चिम लक्खीपुर और हबीगंज जैसी जगहों पर कट्टरपंथिओं का आतंक जारी है। वह यहां रहने वाले हिंदुओं पर न सिर्फ हमले कर रहे हैं बल्कि उनकी संपत्तियों को भी लूट कर ले जा रहे। बांग्लादेश के कट्टरपंथी हिंदुओं की संपत्तियों को चुन-चुन कर नुकसान पहुंचा रहे हैं। मंदिर हो या गुरुद्वारा किसी को भी बख्शा नहीं जा रहा है। शहरों में हिंदू नेताओं पर हमले किए जा रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कई हिंदू परिवारों के वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें उनपर किए जा रहे अत्याचार का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सैकड़ों हिन्दू परिवार घर-बार छोड़कर भारतीय सीमा की ओर निकल पड़े हैं, लेकिन सीमा सील होने के कारण वह सीमा पार नहीं कर पा रहे। बांग्लादेश के हिन्दुओं का सब्र टूट रहा है। पलायन के सिवा उनके पास कोई विकल्प नहीं है। अपनी महिलाओं और लड़कियों को दंगाइयों से बचाने के लिए हिन्दू स्वयं ही अपने घरों को आग लगा रहे हैं। यह घटनाएं भारत विभाजन की याद ताजा कर देती हैं। उस समय भी सीमा के आर-पार जब इंसान शैतान बन गया था तो इन शैतानों से औरतों की सुरक्षा हेतु लोग अपने मकानों को आग लगाने के साथ-साथ महिला सदस्यों की स्वयं ही हत्या करने को मजबूर हो गए थे। बांग्लादेश के हिन्दू परिवार आज वैसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं। आपको पता है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले 15 साल से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज थीं और उनके शासन के दौरान दोनों देशों के संबंधों में काफी मजबूती आयी है। लेकिन तख्तापलट के साथ ही बांग्लादेश में सब कुछ बदल गया है, क्योंकि देश की सत्ता सेना के हाथ में चली गयी है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने आदेश दिया कि जेल में बंद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख खालिदा जिया को रिहा किया जाए। इस कदम से यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि क्या बीएनपी बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनाएगी। खालिदा जिया भारत विरोधी मानी जाती है और संभवतः यही कारण है कि बांग्लादेश में तख्तापलट के साथ ही हिंदू अल्पसंख्यों पर हमले शुरू हो गए हैं। हिंदू देवी-देवताओं की मंदिरों पर हमले हो रहे हैं और हिंदुओं के घरों में लूटपाट की जा ही है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल और शेख हसीना के इस्तीफे के बाद भारत आने से भारत बेहद मुश्किल स्थिति में खड़ा दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट कमेटी की बैठक कर पूरी जानकारी ली है। इसके बाद मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ढाका की स्थिति पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक की। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली रणनीतिक स्तर पर बांग्लादेश के घटनाक्रम पर नजर रख रही है। चूंकि शेख हसीना के साथ भारत के लंबे और घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। इस संकट में भारत को यह तय करना है कि क्या वह अपने पुराने मित्र का साथ दे सकता है या नहीं। दिल्ली के पास शेख हसीना के रूप में बांग्लादेश में एक दोस्त था, और 2009 से उनके निरंतर कार्यकाल ने नई दिल्ली-ढाका संबंधों में एक बड़ा बढ़ावा देखा। सड़क और रेल संपर्क से लेकर सीमा प्रबंधन और रक्षा सहयोग तक, भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध इस समय के दौरान मजबूत हुए। जब हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन बढ़ने लगे, तो भारत की प्रतिक्रिया थी कि यह एक आंतरिक मामला' है। दरअसल भारत के पूर्वोत्तर के कई राज्यों की सीमा बांग्लादेश से लगी हुई है।

सीमा से लगे इन इलाकों में भारत विरोधी गुट लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। हालांकि, शेख हसीना ने अपने कार्यकाल में भारत विरोधी आतंकी समूहों पर कड़ी कार्रवाई की है। इससे भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति कायम हुई है और बांग्लादेश के साथ व्यापार में भी काफी वृद्धि हुई। बांग्लादेश के बदलते राजनीतिक परिदृश्य के साथ भारत की सुरक्षा रणनीति को गहरा धक्का लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बंगाल की खाड़ी रणनीतिक रूप से स्थित एक क्षेत्र है, जो अफ्रीका से इंडोनेशिया तक हिंद महासागर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह बांग्लादेश, म्यांमार और भारत के बीच स्थित क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह क्षेत्र मलक्का जलडमरूमध्य के निकट होने के कारण महत्वपूर्ण है, जो दुनिया के प्रमुख समुद्री अवरोधों में से एक है, जो हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ता है। भारत के लिए बांग्लादेश अपने भौगोलिक रूप से अलग-थलग उत्तर-पूर्वी राज्यों को बंगाल की खाड़ी से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है। पांच भारतीय राज्य हैं जो बांग्लादेश के साथ अपनी सीमा साझा करते हैं, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम साफ है कि बांग्लादेश में उथल-पुथल और सत्ता परिवर्तन भारत के लिए बड़े खतरे की घंटी है। विशेषज्ञों को माने तो यह भारत के लिए चिंता का विषय इसलिए है कि जिस देश को पाकिस्तान के दो टुकड़े कर भारत ने बनाया, अगर वहां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी, आतंकी संगठन और चीन की अन्य ताकतें मिलकर इस देश को चलाने लगेंगी तो भारत के लिए खतरा ज्यादा बढ़ जाएगा। बांग्लादेश की तीन तरफ की सीमाएं हमारे देश से लगती हैं, वहां से भारत में प्रवेश भी आसान है, ऐसे में भारत में यही ताकतें आकर भारत को भी अस्थिर करने की कोशिश कर सकती हैं। हालांकि देखा जाए तो वर्तमान में भारत के लिए करने को कुछ ज्यादा है। भारत जल्द ही बांग्लादेश की सेना से संपर्क करके उसे अपनी चिंताओं से अवगत करा सकता है। भारत को ये भी उम्मीद रहेगी कि अंतरिम सरकार के गठन में उसके हितों को भी ध्यान में रखा जाए।

बांग्लादेश में हिन्दुओं और दूसरे सिख बौद्ध ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अत्याचार को दुनिया चुपचाप देख रही है इनमे विश्व के वो तमाम देश और एमनेस्टी इंटरनेशनल सरीखे अंतरराष्ट्रीय संगठन भी शामिल हैं जो भारत में किसी अल्पसंख्यक के साथ होने वाली मामूली वारदात पर भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर हो हल्ला शुरू कर देते हैं लेकिन दुनिया के किसी भी मुल्क में हिन्दुओं व भारतीय मूल के समुदाय के साथ होने वाली अमानवीयता दमन और अत्याचार पर सभी को सांप सूंघ जाता है जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी मौकापरस्तों के सरपरस्ती में है।हिन्दुओं के साथ किए जा रहे जुल्म और अत्याचार के खिलाफ भारत सरकार अभी सिर्फ बयानबाजी तक सीमित है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पार्थिव शरीर

कोलकाता में गुरुवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर को ले जाते परिवार के सदस्य।

लोकतंत्र बहाल होने पर शेख हसीना स्वदेश लौटेंगी, आईएसआई फैला रही अशांति: सजीब वाजेद जॉय

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर बांग्लादेश से भारत पहुंचीं शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाल होते ही उनकी मां अपने देश लौटेंगी। उन्होंने कहा कि उनके देश में अशांति फैलाने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है।

'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में जॉय ने कहा कि हालांकि 76 वर्षीय हसीना निश्चित रूप से बांग्लादेश लौटेंगी, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि वह सेवानिवृत्त नेता के रूप में लौटेंगी या सक्रिय नेता के रूप में। उन्होंने यह भी कहा कि शेख मुजीब (शेख मुजीबुर रहमान) परिवार के सदस्य न तो अपने लोगों को छोड़ेंगे और न ही संकटग्रस्त अवामी लीग को बेसहारा छोड़ेंगे। जॉय ने अपनी मां की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भारत से अंतरराष्ट्रीय राय बनाने में मदद करने और बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के लिए दबाव बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा, ''हां, यह सच है कि मैंने कहा था कि वह बांग्लादेश नहीं लौटेंगी। लेकिन देश भर में हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर लगातार हमलों के बाद पिछले दो दिन में बहुत कुछ बदल गया है। अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अब हमें जो भी करना होगा वह करने जा रहे हैं। हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे।''

जॉय ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, ''बांग्लादेश में अवामी लीग सबसे बड़ी और सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है, इसलिए हम अपने लोगों से दूर नहीं जा सकते। लोकतंत्र बहाल होने के बाद वह (हसीना) निश्चित तौर पर बांग्लादेश लौटेंगी।'' अवामी लीग को 'भारत की सदाबहार सहयोगी' करार देते हुए उन्होंने कहा कि नई दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाकर बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

बांग्लादेश में बनने वाली अंतरिम सरकार से जॉय ने कानून एवं व्यवस्था बहाल करने का भी आग्रह किया और कहा कि ''देश अराजकता के गर्त में जा रहा है तथा क्षेत्र में दूसरा अफगानिस्तान बन रहा है।'' उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी उम्मीद है कि जब भी लोकतंत्र बहाल होगा और नया चुनाव होगा तो अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी।

जॉय ने कहा, ''आप अवामी लीग को बाहर नहीं कर सकते हैं और बांग्लादेश में कभी भी प्रतिनिधि लोकतंत्र नहीं रख सकते हैं। उनके (मोहम्मद यूनुस) व्यक्तिगत विचार जो भी हों, उन्होंने कहा है कि वह एकता सरकार चाहते हैं तथा आगे बढ़ना चाहते हैं और अतीत की गलतियों की पुनरावृत्ति नहीं होने देना चाहते हैं। मुझे आशा है कि वह अपनी बात पर कायम रहेंगे।''

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस आज (बृहस्पतिवार) को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने वाले हैं। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर चली गईं।

मुर्मू, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन ने द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई

वेलिंगटन/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने बृहस्पतिवार को खासतौर से शिक्षा, व्यापार और संस्कृति में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मुर्मू तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं। यहां पहुंचने पर उन्हें शाही सलामी गारद दिया गया। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को बढ़ावा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ चर्चा की। दोनों पक्षों ने खासतौर से शिक्षा, व्यापार और संस्कृति में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'' इससे पहले, मुर्मू ने न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो और उपप्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात कर मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों एवं विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।'' बाद में, पीटर्स ने भी राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं। मुर्मू के कार्यालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति को रेखांकित किया और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।'' उन्होंने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ''शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव किया है। शिक्षा केवल एक व्यक्तिगत प्रयास नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण का माध्यम भी है।''

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत में शिक्षा व्यवस्था एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुर्मू ने कहा कि भारत ने विविध क्षेत्रों में नेता दिए हैं जो न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत में एक युवा आकांक्षी जनसांख्यिकी है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए तैयार है।

बांग्लादेश में चाहे कोई भी सरकार सत्ता में हो, भारत का प्रभाव बना रहेगा : शौर्य डोभाल

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक शौर्य डोभाल ने कहा है कि बांग्लादेश में चाहे कोई भी सरकार सत्ता में हो, भारत का प्रभाव और पहुंच मजबूत बनी रहेगी तथा उसकी 'मित्र' शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने से लगने वाला कोई भी झटका अस्थायी ही होगा। डोभाल ने साथ ही कहा कि भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह एक ''बड़ा, मित्रवत और उदार'' राष्ट्र है, लेकिन वह अपने हितों की दृढ़ता से रक्षा करना भी जानता है। उन्होंने आगाह किया कि बांग्लादेश में किसी को भी भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भी भारत के साथ संबंधों के महत्व को भलीभांति समझता है, चाहे वहां कोई भी सरकार सत्ता में हो। उन्होंने कहा, ''एक बार जब ये चीजें स्थिर हो जाएंगी, तो सबकुछ सामान्य हो जाएगा और भारत अपने संबंधों को नए सिरे से मजबूत करेगा।'' नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर चली गईं। उन्होंने सोमवार को बांग्लादेश के सैन्य विमान से दिल्ली के पास स्थित हिंडन वायुसेना स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी।

बांग्लादेश में संकट के बारे में बात करते हुए डोभाल ने कहा, ''बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, पहली बात तो यह उसका आंतरिक मामला है, लेकिन यदि हम भारत के परिप्रेक्ष्य से देखें, तो शेख हसीना के रूप में हमारे पास एक मित्रवत सरकार थी, जिसके साथ हमारे संबंध सहज और सुलभ थे।''

उन्होंने कहा, ''संबंध बहुत अच्छे थे और हम अपने सीमा विवादों को सुलझाने में सक्षम थे तथा यह भी सुनिश्चित किया गया था कि बुनियादी ढांचे के विकास समेत हमारे आर्थिक हितों की पूर्ति हो।'' डोभाल ने कहा, ''जब किसी देश में इस तरह की चीजें होती हैं, तो कुछ समय के लिए इसका असर भारत पर पड़ता है, लेकिन दीर्घावधि में बांग्लादेश में भारत का प्रभाव, दृष्टिकोण और पहुंच सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी से कहीं अधिक है।''

मुलाकात

नई दिल्ली में गुरुवार को ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा से मुलाकात की।

हेमा मालिनी ने की विनेश फोगाट की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

पेरिस ओलंपिक में पहलवान विनेश फोगाट को 100 ग्राम अधिक वजन के कारण फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया। कई लोगों को उनका हौसला बढ़ाते और विनेश के संघर्ष की सराहना करते देखा गया। अब इन सबके बीच एक्ट्रेस भाजपा सांसद हेमा मालिनी अपने बयान के चलते ट्रोल हो गई हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विनेश को ओलंपिक हीरोइन बताया है।

हेमा मालिनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विनेश फोगाट की फोटो शेयर करते हुए कहा, विनेश फोगाट, पूरा देश आपके साथ है। आप इस ओलंपिक की नायिका हैं। हिम्मत मत हारो। आपके सामने एक उज्ज्वल भविष्य है। बस साहस के साथ आगे बढ़ें, यह कहा। हेमा मालिनी ने कहा, यह बहुत आश्चर्यजनक और अजीब है कि विनेश फोगाट को 100 ग्राम अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया है। अपने वजन को नियंत्रण में रखना महत्वपूर्ण है। यह अभिनेत्रियों और महिलाओं के लिए एक अच्छा सबक है। अगर विनेश फोगाट तुरंत अपना वजन कम कर लेतीं तो बेहतर होता लेकिन अब उसे वह मौका नहीं मिलेगा।

हेमा मालिनी की पहली प्रतिक्रिया के बाद नेटिज़न्स ने उन्हें ट्रोल किया। इसके बाद हेमा मालिनी ने इंस्टाग्राम पर विनेश फोगाट की फोटो शेयर कर उनकी सराहना की। लेकिन ऐसा लगता है कि नेटिज़न्स को हेमा मालिनी का व्यवहार पसंद नहीं आया। एक नेटीजन ने कहा, 'पोस्ट इसलिए शेयर किया क्योंकि लोग अब ट्रोल कर रहे हैं।' एक अन्य नेटिज़न ने अपना गुस्सा व्यक्त करते हुए कहा, तुम्हें शर्म आनी चाहिए। एक यूजर ने कहा, आपका पहला कमेंट पढ़ कर मैं हैरान रह गया। आपने अपने प्रति सारा सम्मान खो दिया है, इसमें कहा गया।

इसके साथ ही नेटिजेंस ने कहा, आपका बयान बेहद शर्मनाक है।, हमने आपका बयान देखा है। अब अच्छा व्यवहार करने की कोई जरूरत नहीं है।, हम आप जैसे लोगों को सत्ता में बिठाते हैं। जो हम पर सवाल उठाते हैं। इस बीच, विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल में अयोग्य घोषित होने के बाद अपने एक्स अकाउंट पर भावनात्मक पोस्ट करते हुए संन्यास की घोषणा की है।

सगाई

हैदराबाद में गुरुवार को अभिनेता और निर्माता नागार्जुन अक्किनेनी अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला और अभिनेता नागा चैतन्य के साथ हैदराबाद में सगाई समारोह के दौरान।

राजकुमार राव के साथ स्क्रीन साझा करेंगी मानुषी छिल्लर

मुंबई/एजेन्सी

श्रीकांत की सफलता के बाद बॉलीवुड के गलियारों में बहती हवाओं ने कहा था कि राजकुमार राव निर्माता जय शेवक्रमाणी की अगली फिल्म करने जा रहे हैं, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी पुलकित को सौंपी गई, जिन्हें भक्षक के लिए जबरदस्त तारीफें मिली थीं। अब बहती हवाओं का कहना है कि निर्माताओं ने राजकुमार राव के अपोजिट मानुषी छिल्लर को साइन कर लिया है। इसमें पहली बार राजकुमार राव की पूर्व ब्यूटी क्वीन मानुषी छिल्लर के साथ ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। पिंकविला की रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, निर्माता नई कास्टिंग की तलाश में थे और राजकुमार और मानुषी की जोड़ी कुछ नया लेकर आई है। फिल्म में दोनों की जोड़ी दिलचस्प होगी।

इससे पहले पता चला था कि यह फिल्म एक गैंगस्टर ड्रामा है। जय के अनुसार, अभिनेता ने न केवल बिंदीदार रेखा पर हस्ताक्षर किए थे, बल्कि उन्होंने यह भी दावा किया था कि वे मई में प्री-प्रोडक्शन चरण में थे। हाल ही में सूत्र ने खुलासा किया कि फिल्म के अगले महीने भारत में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है और निर्माता इसे अगले साल रिलीज़ करने के इच्छुक हैं। सूत्र ने कहा, कथानक के विवरण को अभी गुप्त रखा गया है, हालांकि, निर्माता सितंबर 2024 में मैराथन शेड्यूल के साथ फिल्म को फ्लोर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। राजकुमार राव इस सहयोग को लेकर उत्साहित हैं और यह उनके लिए कॉमिक स्पेस से एक ब्रेक होगा। इस बीच, राजकुमार राव अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आएंगे रवि किशन

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन द्वारा आधिकारिक तौर पर सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग शुरू करने के बाद से ही उत्साह बढ़ रहा है। यह 2012 की हिट फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है। इसका निर्माण शुरू हो चुका है। हालांकि, हाल ही में आई अफवाहों ने फिल्म की कास्टिंग को लेकर प्रशंसकों के बीच भ्रम पैदा कर दिया है। शूटिंग की आधिकारिक घोषणा से कुछ घंटे पहले, मिड-डे के एक सूत्र ने बताया कि संजय दत्त के यूके वीज़ा के मुद्दों के कारण, उनकी जगह रवि किशन को लिया जाएगा। सूत्र के अनुसार, 1993 में अपनी गिरफ़्तारी के बाद से, जबकि संजू अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं, उन्होंने कई बार यूके वीज़ा के लिए आवेदन किया है, लेकिन उन्हें कभी वीज़ा नहीं मिला। सन ऑफ़ सरदार 2 की शूटिंग यूके की उनकी पहली यात्रा होती। हालाँकि, जब अजय की टीम को पता चला कि वरिष्ठ अभिनेता का वीज़ा अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया है, तो उन्होंने उनकी जगह रवि किशन को ले लिया।

इन अफवाहों को स्पष्ट करने के लिए, बॉलीवुड हंगामा ने प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र से संपर्क किया। सूत्र ने संजय दत्त की जगह रवि किशन को लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा, संजय दत्त फिल्म का अभिन्न हिस्सा बने रहेंगे। अभिनेता भारत के शेड्यूल के लिए बड़े पैमाने पर शूटिंग करेंगे, क्योंकि किरदार के लिए स्क्रीन पर महत्वपूर्ण उपस्थिति की आवश्यकता है। रवि किशन को एक महत्वपूर्ण भूमिका में कास्ट में शामिल करने की पुष्टि करते हुए, सूत्र ने इस बात पर जोर दिया कि इसका मतलब यह नहीं है कि संजय दत्त को हटा दिया गया है। इसके बजाय, रवि किशन संजय दत्त की भूमिका निभाएंगे जबकि संजय दत्त एक महत्वपूर्ण किरदार में नज़र आएंगे।

सन ऑफ़ सरदार 2 में समय के साथ स्टार कास्ट में कुछ बदलाव देखने को मिले हैं। शुरुआत में सोनाक्षी सिन्हा की जगह मृणाल ठाकुर को लिया गया था। हाल ही में आई अफवाहों के अनुसार संजय दत्त के ब्रिटेन के वीजा आवेदन को उनके पिछले कारावास के कारण खारिज कर दिया गया था, जिसके कारण उनकी जगह रवि किशन को लिया गया। हालांकि, प्रोडक्शन के एक सूत्र ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संजय दत्त अभी भी फिल्म का हिस्सा होंगे और भारत में शेड्यूल के दौरान अपने सीन शूट करेंगे।

एक्ट्रेस अवनीत कौर पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

मुंबई/एजेन्सी

अवनीत कौर अब मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर कहर बरपाने के साथ वह टीवी की दुनिया में भी हलचल मचाती रहीं और 2023 में अपना बॉलीवुड डेब्यू भी किया। अपनी प्रोफेशनल और पर्नसल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहने वाली अवनीत अब एक और वजह से चर्चा में हैं। उन पर एक ज्वेलरी ब्रांड ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। एक्ट्रेस को लेकर इस ज्वेलरी ब्रांड ने सोशल मीडिया पर सबूत के साथ कुछ पोस्ट शेयर किए हैं और एक्ट्रेस पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

ज्वेलरी ब्रांड ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री पर 'शोषण' का आरोप लगाया। इसमें उल्लेख किया गया है कि एक्ट्रेस ने उनके ब्रांड की ज्वेलरी फ्लॉन्ट करते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन कई बार वादा करने के बाद भी उनके ब्रांड को क्रेडिट नहीं दिया। इसके बाद जब ब्रांड ने एक्ट्रेस को याद दिलाया तो एक्ट्रेस ने इससे इनकार कर दिया और भेजे गए ज्वेलरी के लिए पेमेंट करने पर तैयार हो गईं, लेकिन उन्होंने अब तक इसका पेमेंट नहीं दिया। इसी के साथ ब्रांड ने एक्ट्रेस के साथ बातचीत का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है।

इस पोस्ट में ब्रांड की ओर से लिखा गया है- 'एक्ट्रेस और इंफ्लूएंसर अवनीत कौर ने अपनी हालिया यूरोप यात्रा के लिए हमारे ब्रांड ठ-छत्र से ज्वेलरी खरीदे। हमारी उनकी स्टाइलिस्ट से बातचीत हुई थी। हमारे पीसेस पहनने के बदले में अवनीत अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ठ-छत्रको टैग करने के लिए सहमत हो गईं। 29 जून, 2024 को, हमने उन्हें डबल फ्लोरल इयररिंग्स, ट्विस्टेड लूप हैंडकफ ब्रेसलेट और लीफ मोटिफ इयररिंग्स सहित 9 पीस एक्ट्रेस को भेजे। ये भरोसा करके कि वह अपनी कमिटमेंट पूरी करेंगी।'

'अपने महीने भर के यूरोप वेकेशन में अवनीत ने हमारी ज्वेलरी को करीब 7 बार पहना, लेकिन उन्होंने सिर्फ लग्जरी ब्रांड्स को ही अपने पोस्ट में मेंशन किया। जब अवनीत ने अपनी पहली पोस्ट में हमारे ब्रांड को टैग नहीं किया, तो हमने उसके स्टाइलिस्ट से संपर्क किया। स्टाइलिस्ट ने कहा कि उन्होंने अवनीत से बात की, जो एक अलग पोस्ट में एक और ड्रेस के साथ हमारे ब्रांड को श्रेय देने के लिए सहमत हुईं। हालांकि, जब अवनीत ने दोबारा पोस्ट किया तो भी उन्होंने क्रेडिट नहीं दिया। फिर हमने स्टाइलिस्ट को एक बार फिर मैसेज करके पूछा कि अवनीत ने हमारे ब्रांड को श्रेय क्यों नहीं दिया। अवनीत ने स्टाइलिस्ट को जवाब देते हुए कहा, अरे मैं उन्हें भुगतान कर दूंगी, यह कितना है। हमने यह समझाते हुए जवाब दिया कि यह पैसे के बारे में नहीं था, बल्कि जो तय किया गया था उस पर कायम रहने के बारे में था और हमने अवनीत के लिए ज्वेलरी क्यों मंगवाई थी।'

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

जीवन को सुंदर बनाने का सामर्थ्य हमारे अंदर ही है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने गुरुवार को प्रवचन में कहा कि कर्म भी पदार्थ की तरह होते हैं। हमारी आत्मा में जो कर्म लगे हुए हैं, वे भरपूर है। हम इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। कर्म सूक्ष्म भी होते हैं। साधना- आराधना की चर्या हम इसलिए करते हैं कि हमारा मुख्य लक्ष्य कर्मों का क्षय करना है। हमारे सुख दुःख के जिम्मेदार हम स्वयं है और कर्मों पर नियंत्रण करना भी हमारे हाथ में है। हमारे जीवन को सुंदर बनाना है तो उसका हमारे अंदर सामर्थ्य है। हमें परमात्मा द्वारा बताए गए कर्म सिद्धान्त को समझने की आवश्यकता है। व्यक्ति स्वयं पुरुषार्थ से कर्मों का उद्विरणा करता है। इसके लिए पुरुषार्थ का प्रोसेस है।

उसके लिए पहले तैयारी हो। उस ओर कदम बढ़ाने का पुरुषार्थ हो। गाल फुलाना और मुस्कुराना दोनों एक साथ नहीं हो सकता। दोनों में से एक को चकमा देते हैं लेकिन अपने आप को चकमा कैसे देंगे। उस डायरेक्सन में आगे बढ़ो। उसके बाद में उस डायरेक्शन में हलचल होगी। उसमें बल लगाना पड़ेगा। जब उद्विरणा होगी, कर्म बल, वीर्य, उत्साह काम को अंजाम देने के लिए चाहिए होते हैं।

युवाचार्य ने कहा कि उद्विरणा बहुत महत्वपूर्ण है। कर्म की उद्विरणा यानी ग्राह्य। ग्राह्य यानी पहले जो किया हुआ है, उसका पश्चाताप। उसे स्वीकार कर लेना, यह ग्राह्य ही कर्मनिर्जरा का प्रोसेस होती है। व्यक्ति उदय होने योग्य कर्म का संवर करता है। हमारी आत्मा जो कर्मबंध कर रही है, उसको प्रोटेक्ट करना ही संवर है। पुरुषार्थ से सारे दुःख दूर हो जाते हैं। इससे ही सारी ऋद्धि- सिद्धि मिलनी है। इसमें दारिद्रय दूर करने का सामर्थ्य है। इसमें शिव तत्व पाने का भी सामर्थ्य है। यह संभव है कि प्रोसेस सही डायरेक्शन में होनी चाहिए। इससे व्यक्ति निश्चित रूप से सफल होता है। हमें साधना में लक्ष्य बनाना है। मोहनीय कर्म का क्षय करना है। मिथ्यात्व को मिटाना है। हमें परमात्मा के वचनों को लेकर आगे बढ़ना है।

मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि जैन धर्म और विज्ञान के अंतर्गत डॉ. अनुपम जैन आगामी शुक्रवार को 5 बजे गणित के हिसाब से जैन धर्म और जैन धर्म के हिसाब से गणित पर कार्यशाला को संबोधित करेंगे। 18 अगस्त को मरुधर केशरी व प्रवर्तक रुपचंद महाराज की जन्म जयंती पर एकासना तप- जप के साथ मनाई जाएगी। इस दौरान संगीता बंगाणी ने 11 उपवास की पचकावनी की। संगीता कावड़िया ने 20 उपवास के पचक्खाण ग्रहण किया। तीन तपस्या गुप्त रूप से गतिमान है। गुरुवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी दिनेश, महेश कवाड़ परिवार थे। कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

सत्य ही मानव जीवन का सच्चा अलंकार है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि सत्य हमारे धर्म की नींव है। सत्यवान ही धर्मवान, शीलवान, चारित्रवान, दयावान व आचरणवान हो सकता है। प्रभु महावीर ने प्रश्न व्याकरण सूत्र में बताया है कि 'सच्चं खु भगवं' अर्थात सत्य ही भगवान हैं। विश्व के सभी दर्शन- शास्त्रों में भी सत्य की महिमा का बखान किया गया है।

सत्य ही मानव जीवन का सच्चा आभूषण - अलंकार हैं। जिसके जीवन में सत्य नहीं है उसका जीवन बिना नींव का मकान है। सत्य ही लोक में सारभूत तत्व हैं। जगत मिथ्या स्वप्नवत हैं, असत्य का रूप हैं। जीव, आत्मा और धर्म, सिद्धालय ही सदा शाश्वत सत्य रूप में हमेशा रहने वाले हैं। सत्य महासमुद्र से भी ज्यादा गंभीर, सुमेरु पर्वत से ज्यादा स्थिर व चन्द्र मण्डल से भी ज्यादा सौम्य है। जो असत्य की प्ररूपणा करते हैं वे संसार-सागर को पार नहीं कर सकते हैं। सत्य की आज्ञा में उपस्थित रहकर ही साधक मृत्यु के प्रवाह की तैर सकता है। साध्वी श्री ने सभा में सती अंजना के महान प्रेरक चरित्र का भी वाचन प्रस्तुत किया।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि अनंत आत्मायें संसार से मोक्ष में चली गई, पर हमारीआत्मा अंनतकाल से इस चर्तुगति रूप संसार में ही भटक रही हैं। अज्ञान, मोह और असत्य का आकर्षण ही जीव को अनादिकाल से संसार में भटकाने का प्रमुख हेतु हैं। अज्ञान हमारे दुःख का कारण है और यह अज्ञान ही जीव की संसार में शाखत ध्रुव, अविनाशी सत्य की पहचान नहीं होने देता है और सत्य के शाश्वत स्वरूप परम पद मोक्ष मुक्ति के स्थान को प्राप्त करने में अवरोध बाधक तत्त्व साबित होता है। भौतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अगर हम अपने जीवन को देखने की दृष्टि विकसित करलें तो बड़ी सरलता से हम अच्छे व बुरे का, सही-गलत का. शाश्वत और आश अशाश्वत का धर्म और पाप का और सत्य और झूठ के अन्तर को समझ सकते हैं।

साध्वीहन्द की सद्प्रेरणा से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सिद्धि तप साधना में एकासना तप की विधि सहित आराधना संपन्न की। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका स्वागत किया। संघ मंत्री सुरेश धोका ने सभा का संचालन करते हुए विविध गतिविधियों की जानकारी दी।

विवेकहीन पुरुष पशु के समान है : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भगवान महावीर के प्रवचन सुनकर डाकू भी महात्मा बन जाता हैं, उनकी वाणी से अत्यंत ही आनन्द आता हैं और आत्मा पुष्ट, ज्ञानी और विवेकशील होती हैं। साहुकारपेट के जैन भवन में साध्वीश्री राजमतीजी ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि जब तक मनुष्य राग, द्वेष, क्रोध, मान, माया और लोभ आदि दुर्गुणों का त्याग नहीं करता हैं, तब तक उसकी आत्मा का कल्याण नहीं हो सकता हैं। विदुषी साध्वी ने साधु और स्वादू का अन्तर बताते हुए कहा कि कहा कि साधु वो होता हैं जो सादा जीवन और उच्च विचार रखता है और पांच इन्द्रियों को वश करने वाला होता है जबकि स्वादू अपनी रस इंद्रिय पर नियंत्रण नही कर पाता हैं।

उन्होंने स्त्री को घर की रीढ़ की हड्डी बताते हुए कहा कि एक कुलीन स्त्री अपने आचरण से पीहर, ससुराल और ननिहाल का नाम उज्ज्वल कर सकती है वहीं आचरण हीन स्त्री इन तीनों परिवारों की प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकती हैं। साध्वीश्री ने उपस्थित विशाल जन समुदाय को अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि मनुष्य को जीवन में हर बात में विवेक रखना चाहिए, विवेक हीन व्यक्ति पशु के समान होता हैं। इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने प्रथम तीर्थंकर ऋषभ देवजी के जीवन पर आधारित व्याख्यान की श्रृंखला में कहा कि हजार साल बाद जब तीर्थंकर ऋषभ देव अपने गृहनगर विनिता में पधारे तो उनके समवसरण स्थल पर देवताओं ने स्थल पर इन्द्र लोक जैसी रचना प्रस्तुत कर उनका भव्य समारोह आयोजित किया। उन्होंने बताया कि सन्तान भले ही कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाये, वो अपने माता-पिता की हमेशा कृतज्ञ रहनी चाहिए। संचालन महामंत्री संजय पींचा ने किया।

सभी व्रतों में सदाचार का महत्व होता है : साध्वीश्री आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि मंत्री मंडल का प्रमुख प्रधानमंत्री होता है, अध्यापक का प्रमुख प्रधानाध्यापक होता है, क्रिकेट में प्रमुख कप्तान होता है, शरीर में प्रमुख मस्तिष्क होता है उसी प्रकार सभी व्रतों में सदाचार का महत्व होता है। इस सत्य को जानने वाला साधक अपनी आंखों पर नियंत्रण रखता है। पर आज चारित्रिक गुणों की अर्थी निकल रही है। साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि जीवन एक कला है हंसते हंसते जीना यह बड़ी कला है, पर हंसते हुए मरना सबसे बड़ी कला है। इतिहास रटना आसान है पर इतिहास रचना बड़ा मुश्किल है। गौतम नाहर ने संचालन करते हुए बताया कि इस चातुर्मास में हर शुक्रवार को पद्मावती पार्श्वनाथ अनुष्ठान को एकासना के रूप में मनाया जाएग

साध्वियों के दर्शनाथ मैसूरु पहुंचा जिनकुशलसूरी दादावाड़ी ट्रस्ट का प्रतिनिधि मंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के सदस्यों ने मैसूर में सुमतिनाथ परमात्मा के दर्शन कर चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी के दर्शन वन्दन किए और प्रवचन श्रवण किया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल मैसूर पहुंचा। मैसूर सुमतिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष भैरूमल राठौड़, महामंत्री कांतिलाल गुलेच्छा ने बेंगलूरु संघ की स्वागत किया।

ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने साध्वीवर्याओं का पिछले वर्ष बेंगलूरु चातुर्मास की मधुर यादों को याद किया।प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट और जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सदस्यों ने मैसूर पिंजरापोल गौशाला में गौसेवा की और मंडल की ओर से सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष तेजराज मालानी के साथ ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, मोतीलाल ललवानी, मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, राकेश डाकलिया, रमेश गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जवेरीलाल गुलेच्छा, सज्जन सिंह खटोड़, वीरचंद चौपड़ा आदि सदस्य उपस्थित थे।

'एक शाम टॉडगढ़ भैरुजी के नाम' कार्यक्रम 25 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मेवाड़ जैन मित्र मंडल द्वारा पहली बार शहर में 'एक शाम टॉडगढ़ भैरुजी के नाम' नामक भजन संध्या का आयोजन 25 अगस्त को शाम 5 बजे से पैलेस ग्राउंड, प्रिंसेस गोल्फ सभागार में किया जा रहा है । मंडल के गौतम मांडोत ने इस संदर्भ में काला गौरा भैरव पावन धाम टॉडगढ़ के मुख्य उपासक विद्याप्रकाश पडियार एवम कपिल पडियार को आमंत्रित किया गया मंडल के प्रवीण दक ने कहा कि इस आयोजन में भैरुजी का भव्य दरबार सजाया जाएगा।

संयोजक रोहित मेहता ने बताया कि इस मौके पर संगीतकार गोकुल शर्मा व त्रिशा सुथार भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंडल के अमृत दलाल ने सभी भैरु भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है ।

हरियाली तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट में आर्यसमाज द्वारा हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन महिलाओं द्वारा किया गया। श्रावण माह में सुहागिन महिलाओं द्वारा प्राकृति की पूजा एवं अर्चना की जाती है। महिला समिति की प्रमुख शोभा आर्य वेदरत्न द्वारा हवन करवाया गया। सभी को मेहंदी भेंट कर हरी चूड़ी पहनाई गई। मागंलिक गीत गाए गए। समाज के वरिष्ठ सदस्य जितेन्द्र खेमका ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

जीतो साउथ महिलाओं ने सीखी धार्मिक गहुली बनाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज विंग साउथ द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत जैन धर्म गहुली (वे टू निर्जरा) कार्यशाला जीतो ऑफिस चामराजपेट में रखी गई जिसमें 35 सदस्याओं ने हिस्सा लिया। चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से हम सभी महिलाएं आज विभिन्न प्रकार की गहुली (चावल की धार्मिक रंगोली) सीख कर मंदिर एवं अनेक धार्मिक आयोजनों में इसका उपयोग कर सकते है। महामंत्री मोनिका पिरगल ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि हमारे जीवन में धर्म क्रियाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने जीतो लेडीज विंग के जेबीएन वी प्रेनॉर्स लॉन्च एवं ई-डायरेक्टरी की जानकारी दी।

कार्यशाला प्रशिक्षक पूजा जैन द्वारा अनेक रंगों के चावल से विभिन्न प्रकार की गहुली एवं नंदावत बनाना सिखाया गया। उन्होंने रंगोली में विभिन्न चिन्हों के अर्थ भी बताए। कार्यक्रम संयोजिका पुष्पा गोलेच्छा व सहसंयोजिका अर्पिता लधानी ने व्यवस्था संभाली। निशा टुकलिया ने पूजा जैन का परिचय दिया। इस अवसर पर जीतो लेडीज विंगसहमंत्री संगीता पारख सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दक्षिण नाकोड़ा सेवा संकल्प ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष विजयकुमार सुराना के साथ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सचिव नितेश राठौड़, संजयकुमार जैन संगीतकार दिलखुश बाफणा, राष्ट्रीय पार्श्व भैरव भक्त परिवार के पूनम संघ व्यवस्थापक राकेश सालेचा एवं खेतन सुराना ने यातायात पुलिस केन्द्र में पुलिस उपायुक्त कुलदीप जैन से मुलाकात कर उनका सममन किया।

एस निजलिंगप्पा के आदर्श प्रेरणादायक हैं : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्नाटक के विकास पथ की आधारशिला रखने वाले एस निजलिंगप्पा के सिद्धांत प्रेरणादायक हैं। वह गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एस. निजलिंगप्पा ने उनकी पुण्य तिथि पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और बाद में मीडिया से बात की। कन्नड़ राष्ट्र के विकास में योगदान देने वाले स्वर्गीय एस. निजलिंगप्पा आज भी लोगों के मन में हैं। वह इस देश के अब तक के सबसे ईमानदार राजनेता हैं। बहुमूल्य राजनीतिक जीवन जीने वाले निजलिंगप्पा ने सिंचाई क्षेत्र के विकास सहित कर्नाटक के एकीकरण के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा, निजलिंगप्पा के आदर्श प्रेरणादायक हैं।

'वाणी के रसिक नहीं बल्कि जिनवाणी के रसिक बनिये'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में प्रवचन में राजेशमुनिजी ने कहा कि हमें सिर्फ वाणी के रसिक नहीं बल्कि जिनवाणी के रसिक बनकर जीना चाहिए ताकि हम भी भगवान बन जाएं। इसलिए हमें सद्गुरु की प्रत्यक्ष शरण में पुरुषार्थ के सहारे जीवन को संवारना चाहिए।जीव अपने कर्मों के आधार पर इस संसार में आता है। जन्म मरण के इस चक्कर को खत्म करने के लिए हमें जिनवाणी के अमृत का पान करना होगा। मुनिश्री ने कहा कि तृष्णारूपी जहर का अंत किए बिना भव भ्रमण का अंत नहीं होगा। तृष्णा की प्यास कभी बुझ नहीं सकती। हमें सकारात्मक भाव के साथ जीवन जीना चाहिए और अपनी विरोधियों को भी नीचा दिखाने का नहीं बल्कि ऊपर उठाने का प्रयास करना चाहिए।

इसके पहले ऋषभ मुनिजी ने संसार की क्षणभंगुरता के बारे में बताते हुए क्षणिक सुखों से बचने की प्रेरणा दी। जीवन में क्षणभर का भी भरोसा नहीं इसके लिए जो कुछ करना है अभी कर ले और काम ऐसा करें कि करने के बाद भी नाम अमर रहे। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.